हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 03 अंक - 77 बेमेतरा, सोमवार 02 नवम्बर 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 1 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

नक्सलवाद के निर्णायक खात्मे से छत्तीसगढ़ में शांति विश्वास और विकास का नया वातावरण : प्रधानमंत्री मोदी



रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को आत्मीय पत्र लिखकर प्रदेश के सभी भाई-बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में छत्तीसगढ़ से अपने दशकों पुराने संबंधों, प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, नक्सलवाद के विरुद्ध मिली निर्णायक सफलता तथा विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में हो रहे व्यापक बदलावों का विशेष उल्लेख किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया है कि छत्तीसगढ़ आने वाले समय में विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पत्र में भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी का स्मरण करते हुए कहा कि 26 वर्ष पूर्व उनके दूरदर्शी नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य का गठन हुआ था। इस ऐतिहासिक निर्णय ने लाखों नागरिकों की दशकों पुरानी आकांक्षाओं को साकार किया और प्रदेश के विकास की नई यात्रा का शुभारंभ किया। प्रधानमंत्री ने छत्तीसगढ़ से अपने व्यक्तिगत जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि संगठन के दिनों से ही छत्तीसगढ़ से विशेष लगाव रहा है। अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से उन्हें अनेक बार यहां आने का अवसर मिला। सरगुजा के वनांचलों से लेकर बस्तर की पावन धरती तक की यात्राओं में उन्होंने छत्तीसगढ़िया संस्कृति और जनजीवन को निकट से जाना और समझा है। उन्होंने उल्लेख किया कि छत्तीसगढ़ की सरलता, सहजता, परिश्रमशीलता और जीवंत सांस्कृतिक परंपराएं उन्हें सदैव प्रेरणा देती रही हैं। प्रधानमंत्री ने पिछले वर्ष छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के अवसर पर अपने प्रदेश प्रवास और नए विधानसभा भवन के लोकार्पण का भी स्मरण किया। प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध मिली सफलता को प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण परिवर्तन बताया। उन्होंने कहा कि कुछ वर्ष पहले तक जो क्षेत्र नक्सलवाद के रेड कॉरिडोर के रूप में पहचाने जाते थे, वे आज शांति, विश्वास और विकास के नए केंद्र बन रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक नक्सलवाद प्रदेश के विकास की सबसे बड़ी बाधाओं में से एक रहा, लेकिन इसे निर्णायक रूप से समाप्त करने में सफलता मिली है। इससे

छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री की शुभकामनाएं प्रदेश के तीन करोड़ नागरिकों के लिए प्रेरणा और गौरव का विषय : मुख्यमंत्री साय



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रेषित आत्मीय पत्र एवं स्नेहपूर्ण शुभकामनाओं के लिए प्रदेश के तीन करोड़ नागरिकों की ओर से हृदय से आभार व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मीय पत्र छत्तीसगढ़ की माटी, यहाँ की श्रमशील जनता और गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत के प्रति उनके गहरे जुड़ाव का परिचायक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्नेह, विश्वास और मार्गदर्शन प्रदेश को समृद्ध, सशक्त एवं विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की नई ऊर्जा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री को प्रेषित अपने आभार पत्र में कहा कि अविभाजित मध्य प्रदेश के समय से लेकर सरगुजा के वनांचलों और बस्तर के सुदूर अंचलों तक की अपनी यात्राओं एवं अनुभवों का प्रधानमंत्री ने जिस आत्मीयता से स्मरण किया है, वह प्रत्येक छत्तीसगढ़वासी के हृदय को स्पर्श करता है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष राज्य की रजत जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री का आगमन और नवीन विधानसभा भवन का लोकार्पण छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा की अविस्मरणीय उपलब्धि है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण कर प्रदेशवासियों की दशकों पुरानी आकांक्षाओं को साकार किया था। उनके समृद्ध एवं विकसित छत्तीसगढ़ के स्वप्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व और मार्गदर्शन में साकार करने की दिशा में आगे बढ़ना राज्य सरकार के लिए सौभाग्य और महत्वपूर्ण दायित्व का विषय है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध ऐतिहासिक सफलता और बस्तर में आए सकारात्मक परिवर्तन का विशेष उल्लेख किया है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री के दृढ़ संकल्प, सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और स्थानीय जनता के सहयोग का

ईरान के साथ संभावित नए संघर्ष के लिए इजरायल ने पूरी की सैन्य तैयारियां : रिपोर्ट

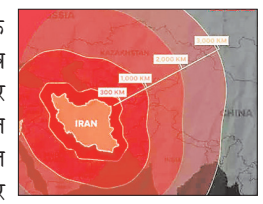

तेल अवीव। इजरायल ने ईरान के साथ संभावित नए सैन्य टकराव के लिए अपनी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बीच, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सामने ईरान पर हमले फिर शुरू करने के विकल्प पेश किए हैं। इजरायली समाचार पत्र 'येदियोत अहरोनोत' ने यह खबर दी है। अखबार ने अज्ञात राजनीतिक सूत्रों के हवाले से बताया कि इजरायली सेना ने संभावित रूप से फिर से संघर्ष शुरू होने की स्थिति के लिए अपनी रक्षात्मक और आक्रामक तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, सैन्य कार्रवाई शुरू करने का फैसला ट्रंप के हाथ में है, जबकि वाशिंगटन और तेहरान के बीच बातचीत जारी है। रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व एक और दौर की लड़ाई की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन संघर्ष शुरू करने का फैसला उनके नियंत्रण में नहीं है। इन तैयारियों में इजरायली वायुसेना के बार-बार किए जा रहे अभ्यास शामिल हैं। इन अभ्यासों के दौरान दर्जनों लड़ाकू विमानों और हवाई ईंधन भरने वाले विमानों ने सीरिया और इराक के हवाई क्षेत्र में संभावित उड़ान मार्गों का अभ्यास किया, जो ईरान की ओर जाने वाले रास्तों का अनुकरण करते हैं। अखबार के अनुसार, अमेरिकी सेंट्रल कमांड के प्रमुख ब्रैड कूपर ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष डैन केन की मौजूदगी में हुई बैठक में ट्रंप के सामने सैन्य कार्रवाई के विकल्प पेश किए। हालांकि, सैन्य अभियान फिर से शुरू करने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हाल के दिनों में अमेरिकी सैन्य साजो-सामान क्षेत्र में पहुंचाने के अभियान के तहत 10 अमेरिकी सैन्य परिवहन विमान इजरायल के हवाई अड्डों पर पहुंचे हैं। अखबार ने कहा कि ये घटनाक्रम अमेरिकी सैन्य बलों की लगातार बढ़ती तैनाती और संभावित रूप से फिर से संघर्ष शुरू होने की तैयारियों के बीच सामने आए हैं। अमेरिका के सामने संभावित सैन्य अभियान के रणनीतिक उद्देश्यों को लेकर अनिश्चितता है। ईरान के परमाणु ठिकानों, मिसाइल प्रणालियों और सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमले करने से जरूरी नहीं कि वहां सत्ता या नीतियों में बदलाव हो।

वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर फिर महंगा, दिल्ली में 10 रुपये बढ़ी कीमत



नयी दिल्ली। त्योहारों से पहले वाणिज्यिक रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं,

हालांकि घरेलू इस्तेमाल वाले सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। सार्वजनिक तेल विपणन कंपनियों ने रविवार से दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत बढ़ाकर 2,820 रुपये कर दी है। अक्टूबर में इसकी कीमत 2,810 रुपये थी। इस प्रकार दिल्ली में यह 10 रुपये महंगा हुआ है।

अन्य शहरों में भी कीमतों में कर और परिवहन लागत के आधार पर थोड़े-बहुत अंतर के साथ लगभग इतनी ही बढ़ोतरी की गई है। इस साल अगस्त के बाद यह लगातार तीसरी बार है जब वाणिज्यिक रसोई गैस महंगी हुई है। तीन बार में दिल्ली में इसकी कीमत 82 रुपये प्रति सिलेंडर बढ़ी है। गत 28 फरवरी को पश्चिम एशिया संकट की शुरुआत के बाद से ही वाणिज्यिक रसोई गैस सिलेंडर के दाम ऊपर बने हुए हैं।

पश्चिम एशिया संकट से पहले के स्तर से दिल्ली में अभी इसकी कीमत 1,079.50 रुपये ऊपर है। वहीं, घरेलू इस्तेमाल वाले 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर के मूल्य में गत 07 जून के बाद से कोई बदलाव नहीं किया गया है।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की दिल्ली में 942 रुपये और कोलकाता में 968 रुपये है।

मुंबई में यह 941.50 रुपये का और चेन्नई में 957.50 रुपये का है।

देश की पहली बुलेट ट्रेन तैयार करने की प्रक्रिया तेज वैष्णव ने बेंगलुरु में की विनिर्माण प्रगति की समीक्षा



बेंगलुरु। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आदित्य निर्माण केंद्र में भारत में निर्मित हो रही बुलेट ट्रेन-बी28 की निर्माण प्रक्रिया का निरीक्षण किया और बताया कि इसे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया गया है। वैष्णव वंदे भारत शयनयान एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने के बाद भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (बीईएमएल) पहुंचे और ट्रेन की कार बॉडी फैब्रिकेशन के लिए सटीक-इंजीनियर जिग्स और फिक्स्चर सहित विशेष विनिर्माण अवसंरचना का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने उत्पादन के प्रमुख चरणों जैसे अंडरफ्रेम, साइडवॉल, रूफ असेंबली, कार असेंबली और सतह की तैयारी विभिन्न कार्यों को देखा और अधिकारियों से बात कर जानकारी हासिल की।

रेल मंत्री ने यहां 'निचोड़ परीक्षण' प्रदर्शन भी देखा, जो एक गुणवत्ता सुनिश्चित करने की प्रक्रिया है जिसमें ट्रेन कार बॉडी को इसकी संरचनात्मक ताक़त, कठोरता और आयामी स्थिरता का आकलन करने के लिए नियंत्रित संपीड़न / तन्य बलों के अधीन किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने यात्री सीटों की जांच की और हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी) सिस्टम, कप्लर्स और अन्य ट्रेन उपकरण और असेंबलियों सहित प्रमुख ऑनबोर्ड सिस्टम और घटकों की समीक्षा की।

पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में अनियमितता को लेकर चुनाव आयोग ने दो अधिकारियों के निलंबन के निर्देश दिए

भारत निर्वाचन आयोग
Election Commission Of India

नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश में पीलीभीत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र संख्या 127 की मतदाता सूची तैयार करने में अनियमितता बरतने के मामले में दो अधिकारियों के तत्काल प्रभाव से निलंबन के आदेश दिए हैं। आयोग ने इन अधिकारियों के साथ-साथ एक कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ पहले दायर की गई प्रथम सूचना रिपोर्ट में कुछ नयी धारा जोड़ने के भी निर्देश दिए हैं। आयोग ने यह कार्रवाई इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी के माध्यम से प्राप्त एक जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। आयोग को यह रिपोर्ट 24 अक्टूबर को प्राप्त हुई थी, जिसकी समीक्षा के बाद आयोग ने संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के नये निर्देश कल शाम जारी किए। आयोग की अवर सचिव दीपमाला द्वारा भेजे गए पत्र में निर्देश है कि पीलीभीत विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में अनियमितता के आरोप में मतदाता पंजीयन अधिकारी मयंक गोस्वामी और हेमंत चौधरी को तत्काल निलंबित किया जाए और उनके खिलाफ आरोपपत्र जारी कर उसकी प्रति आयोग को भी भेजी जाए। आयोग के पत्र में कहा गया है कि इन दोनों अधिकारियों और संबंधित वीआरसी कंप्यूटर ऑपरेटर अनिल कुमार के खिलाफ पहले से दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 198 भी जोड़ी जाए। आयोग का कहना है कि दोनों अधिकारियों को इसकी अनुमति के बगैर बहाल नहीं किया जाए। आयोग ने उत्तर प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारी से पीलीभीत जिले की चार विधानसभा सीटों की मतदाता सूचियों में नाम को जोड़ने घटाने या संशोधित करने के कार्य की समीक्षा करवा कर जिला निर्वाचन अधिकारी की समीक्षा रिपोर्ट भी एक सप्ताह के अंदर तालाब की है।

अब बिना रुके कटेगा टोल टैक्स लिम्हा प्लाजा से शुरू होगी नई व्यवस्था



रायपुर। छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल टैक्स वसूली की व्यवस्था में बड़ा तकनीकी बदलाव होने जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) प्रदेश में पहली बार मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम लागू करने की तैयारी में है। इसकी शुरुआत बिलासपुर-पथरापाली एनएच-130 पर स्थित लिम्हा टोल प्लाजा से की जाएगी। नई तकनीक के लागू होने के बाद वाहन चालकों को टोल शुल्क जमा करने के लिए रुकना नहीं पड़ेगा और चलते वाहनों से ही फास्टैग के माध्यम से निर्धारित राशि की कटौती हो जाएगी। एनएचएआई की प्रस्तावित व्यवस्था के तहत दिल्ली-मेरठ और दिल्ली-आगरा एक्सप्रेसवे की तर्ज पर लिम्हा टोल प्लाजा को आधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। यहां हाई रिजॉल्यूशन कैमरे, ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर), फास्टैग रीडर और डिटेक्शन सिस्टम स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (एटीएमएस) के जरिए वाहनों की आवाजाही की निगरानी की जाएगी। इस प्रणाली में वाहन सामान्य रफ्तार से टोल क्षेत्र पार कर सकेंगे। कैमरे और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वाहनों की पहचान कर संबंधित फास्टैग खाते से शुल्क काटेंगे। इससे टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतारों, बैरियर खुलने के इंतजार और बार-बार ब्रेक लगाने की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद है। साथ ही यात्रा में लगने वाले समय और ईंधन की खपत में भी कमी आएगी। नई व्यवस्था में बिना फास्टैग वाले वाहनों के लिए भी शुल्क वसूली का प्रावधान किया गया है। ऐसे वाहनों की पहचान नंबर प्लेट के माध्यम से की जाएगी और सामान्य फास्टैग शुल्क के बराबर राशि का चालान जारी होगा। ई-नोटिस जारी होने के 72 घंटे के भीतर भुगतान नहीं करने पर वाहन मालिक को दोगुना शुल्क चुकाना पड़ेगा। वहीं, टोल शुल्क से छूट प्राप्त वीवीआईपी वाहनों के लिए एक्जम्पटेड फास्टैग की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

एनएचएआई ने मार्च 2027 तक लिम्हा टोल प्लाजा से बैरियर हटाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। यहां मल्टीलेन फ्री फ्लो सिस्टम का प्रयोग सफल रहने पर इसे छत्तीसगढ़ के अन्य टोल प्लाजा पर भी लागू किया जा सकता है। प्रदेश में वर्तमान में करीब 26 टोल प्लाजा हैं। प्राधिकरण भविष्य की नई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में भी इस तकनीक को प्राथमिकता देने की योजना पर काम कर रहा है। इंडियन हाईवेज मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (आईएचएमसीएल) की सितंबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, लिम्हा टोल प्लाजा पर एक महीने में 2,50,500 फास्टैग लेनदेन दर्ज किए गए, जिनसे कुल 6,81,85,000 रुपए का संग्रह हुआ।

इस प्रकार यहां प्रतिदिन औसतन 8,350

छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले

मोदी सरकार की विदाई नजदीक, ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा : खरगे



नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि मोदी सरकार की विदाई के दिन नजदीक हैं और देश में वोट चोरी की साजिश में भूमिका निभाने वाले मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना होगा तथा उनके खिलाफजांच भी होगी। खरगे ने रामलीला मैदान में विपइंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' महारैली को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त जनता की आवाज समझ लें, क्योंकि वे लोगों का अधिकार नहीं छीन सकते। उन्होंने कहा कि यह आजादी की दूसरी लड़ाई है और विपक्ष इसे जीतकर रहेगा। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर करीब 14 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। उन्होंने सवाल किया कि हटाए गए नामों में कितने विदेशी नागरिक थे। उन्होंने दावा किया कि छह राज्यों में 10 करोड़ मतदाताओं में केवल 1,600 विदेशी मिले हैं, जिनमें अधिकतर नेपाल के नागरिक हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा घुसपैठियों के नाम पर झूठ बोल रही है और मतदाता सूची में बदलाव का इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए किया जा रहा है। खरगे ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों और मजदूरों की समस्याओं की चिंता नहीं है बल्कि उसे अपनी कुर्सी की चिंता है। उन्होंने कहा कि चुनिंदा पूंजीपतियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है, जबकि सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण से रोजगार और आरक्षण पर खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी देने का वादा पूरा नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता सरकार चुनते हैं लेकिन मोदी सरकार अपनी पसंद के मतदाता चुनने में लगी है।

उन्होंने सवाल किया कि क्या युवाओं, किसानों और कमजोर तबकों के वोट इसलिए काटे जाएंगे कि वे सरकार से सवाल पूछते हैं और अपने अधिकारों की मांग करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में कोई सरकार स्थायी नहीं होती और जनता ही तय करती है कि कौन सत्ता में रहेगा।

उन्होंने प्रधानमंत्री को चेतावनी देते हुए कहा कि वे अहंकार में यह कहना बंद करें कि भाजपा 30 या 40 साल तक सत्ता में रहेगी। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार संविधान से मिला है, कोई खैरात नहीं, और इसे कोई छीन नहीं सकता।

मोदी, शाह, ज्ञानेश वोट चोरी के जिम्मेदार, सबको मिलेगी सजा : राहुल

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर वोट चोरी के जरिए लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि वोट चोरी करने वाले बच नहीं सकते और उनके खिलाफ कार्रवाई होगी और उनके किए की उन्हें ज़रूर सजा मिलेगी। गांधी ने विपक्षी इंडिया गठबंधन की 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली को को रामलीला मैदान में संबोधित करते हुए कहा कि कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाना विपक्ष का पहला लक्ष्य है और वह पद से हटेंगे तथा जेल जाएंगे। उन्होंने कहा, आप संविधान से बड़े नहीं हैं। लंबे समय से वोट चोरी होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, हरियाणा, छत्तीसगढ़ तथा महाराष्ट्र समेत कई राज्यों के चुनावों में धांधली की गई है।



तिरुवनंतपुरम में लोक लेखा समितियों के सभापतियों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे बिरला



नयी दिल्ली। लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला केरलम के तिरुवनंतपुरम में संसद तथा राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र विधानमंडलों की लोक लेखा समितियों (पीएसी) के सभापतियों के सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। लोकसभा सचिवालय की रविवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार उद्घाटन सत्र में केरलम के मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन, राज्य सभा के उपसभापति हरिवंश, केरलम विधान सभा के अध्यक्ष थिरुवनचूर राधाकृष्णन तथा केरलम विधान सभा की लोक लेखा समिति के सभापति के. एन. बालगोपाल उपस्थित रहेंगे और सम्मेलन को संबोधित करेंगे। संसद की लोक लेखा समिति के सभापति के. सी. वेणुगोपाल स्वागत भाषण देंगे, जबकि केरलम विधान सभा की उपाध्यक्ष शानिमोल उस्मान धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करेंगी। सम्मेलन में संसद तथा राज्य/संघ राज्य क्षेत्र विधानमंडलों की लोक लेखा समितियों के सभापति एवं सदस्यगण तथा अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि दो दिवसीय सम्मेलन में 'लेखा परीक्षा, जवाबदेही एवं सुशासन - लोक लेखा समिति की उभरती भूमिका' विषय पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। सम्मेलन के दौरान अनुभवों को साझा करने, श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों के आदान-प्रदान तथा सार्वजनिक व्यय पर विधायी निगरानी सुनिश्चित करने और शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं वित्तीय अनुशासन को बढ़ावा देने में लोक लेखा समितियों की भूमिका को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उपायों पर सार्थक चर्चा होगी। सार्वजनिक व्यय की जांच करने तथा यह सुनिश्चित करने वाली कि जनधन का उपयोग विधायिका की मंशा एवं स्वीकृति के अनुरूप हो, लोक लेखा समितियां जवाबदेही और उत्तरदायी शासन के सिद्धांतों को बनाए रखने में

संक्षिप्त समाचार

सेवानिवृत्ति पर स्वास्थ्य विभाग के पर्यवेक्षक तिवारी को कलेक्टर ने प्रदान किया पेंशन गणना पत्रक



सूरजपुर संवाददाता/ स्वास्थ्य विभाग में दीर्घकालीन सेवाएं देने वाले कार्यालय खंड चिकित्सा अधिकारी भैयाथान में पदस्थ पर्यवेक्षक श्री दयाशंकर तिवारी को सेवानिवृत्ति के एक दिवस पूर्व कार्यालयीन दिवस पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील द्वारा पेंशन गणना पत्रक प्रदान किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती जमील ने उनके द्वारा स्वास्थ्य विभाग में दी गई दीर्घकालीन सेवाओं एवं योगदान की सराहना की। उन्होंने श्री तिवारी को सेवानिवृत्ति की शुभकामनाएं देते हुए उनके आगामी जीवन के स्वस्थ, सुखद एवं खुशहाल होने की कामना की। उल्लेखनीय है कि श्री तिवारी 31 अक्टूबर 2026 को अपनी शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होंगे।इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह, कोषालय अधिकारी श्री प्रेमशंकर तिवारी, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री संदीप नामदेव उपस्थित रहे।

पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी, सूरजपुर जिले के 99 हजार से अधिक किसान लाभान्वित



सूरजपुर संवाददाता/ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आज प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24 वीं किस्त जारी की। इस अवसर पर सूरजपुर जिले के 99,424 पात्र किसानों के बैंक खातों में कुल 24.10 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। योजना के माध्यम से किसानों को कृषि कार्यों के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहा है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण किसान हितैषी योजनाओं में से एक है, जिसके अंतर्गत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। राशि तीन समान किस्तों में सीधे किसानों के बैंक खातों में अंतरित की जाती है। योजना के तहत प्राप्त आर्थिक सहायता से किसानों को बीज, खाद एवं अन्य कृषि आदान सामग्री की खरीदी के साथ-साथ खेती-किसानी से जुड़े आवश्यक कार्यों में सहयोग मिल रहा है। इससे किसानों को कृषि संबंधी जरूरतों की पूर्ति करने में आर्थिक संबल प्राप्त हो रहा है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी होने से जिले के लाभान्वित किसानों में हर्ष एवं उत्साह का वातावरण है।

प्राथमिक-मिडिल मिलाकर मात्र 39 बच्चे : 21 लाख के 6 शौचालय खंडहर, अब 4.50 लाख के नए निर्माण का खेल, 20-30 मीटर दूर खड़ा सामुदायिक शौचालय भी बेकार, नया बोर धंसा

सूरजपुर संवाददाता- विकासखंड भैयाथान अंतर्गत ग्राम पंचायत डबरीपारा के खुटरापारा स्कूल परिसर में शासकीय बजट के बेतुके इस्तेमाल और निर्माण एजेंसियों की मनमानी का गंभीर मामला सामने आया है। अब तक जहां विभिन्न माध्यमों से इस विद्यालय परिसर में करीब 45 छात्र होने का अनुमान लगाया जा रहा था, वहीं आधिकारिक विभागीय रिकॉर्ड की पड़ताल में स्थिति बिल्कुल उलट निकली है। एक ही चारदीवारी के संयुक्त प्रांगण में संचालित शासकीय प्राथमिक शाला और शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला को मिलाकर कक्षा पहली से आठवीं तक कुल दर्ज छात्र संख्या मात्र 39 है। प्राथमिक शाला में 10 बालक व 14 बालिकाएं (कुल 24 छात्र, 2 शिक्षक) तथा मिडिल स्कूल में 8 बालक व 7 बालिकाएं (कुल 15 छात्र, 4 शिक्षक) पदस्थ हैं। यानी पूरे परिसर में 6 शिक्षकों की देखरेख में मात्र 39 नौनिहाल अध्ययनरत हैं। ग्राम पंचायत डबरीपारा की कुल आबादी के अनुपात में इस स्कूल परिसर में निर्माण कार्यों की बाढ़ ला दी गई है, लेकिन धरातल पर बच्चों को बुनियादी सुविधाएं तक नसीब नहीं हो रही हैं।

गोरता में राशन वितरण में अनियमितता का आरोप, सैकड़ों ग्रामीणों ने तहसील पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

पाँच महीने से राशन नहीं मिलने पर भड़के ग्रामीण,दुकान में जड़ा ताला

- करीब 400 हितग्राहियों को महीनों से राशन नहीं मिलने का दावा, 25 लाख रुपये के राशन की हेराफेरी का आरोप
- पीओएस मशीन लेकर दुकान से अलग राशन तौलते दिखा युवक, कैमरा देखते ही भागा

लखनपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत गरीब परिवारों को मिलने वाला सरकारी राशन उनके भरण-पोषण का प्रमुख सहारा है। लेकिन जब इसी राशन के लिए हितग्राहियों को महीनों तक इंतजार करना पड़े और वितरण में अनियमितता के आरोप सामने आएं, तो ग्रामीणों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। ऐसा ही मामला सरगुजा जिले के लखनपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत गोरता में सामने आया है। यहां पांच महीने से राशन नहीं मिलने और वितरण में कथित गड़बड़ी से नाराज ग्रामीणों ने राशन दुकान में ताला जड़ दिया। दुकान के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन करने के बाद सैकड़ों ग्रामीण तहसील कार्यालय पहुंचे और तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत गोरता में संचालित राशन दुकान में वितरण व्यवस्था लंबे समय से मनमाने तरीके से चल रही है। हितग्राहियों को समय पर राशन नहीं दिया जा रहा है, जबकि कई लोगों को महीनों से खाद्यान्न के लिए भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने राशन दुकान संचालक पर गंभीर लापरवाही और वितरण में अनियमितता के आरोप लगाते हुए विरोध जताया। विरोध प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण राशन दुकान के सामने एकत्रित हो गए। आक्रोशित ग्रामीणों ने दुकान में ताला लगा दिया, जिसके बाद स्थिति को देखते हुए दुकान संचालक को दुकान बंद करनी पड़ी। ग्रामीणों का कहना था कि बार-बार मांग करने के बावजूद उन्हें राशन नहीं मिल रहा है। इससे गरीब परिवारों के सामने भोजन की व्यवस्था करना मुश्किल हो रहा है।

900 राशन कार्डधारी, 400 हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने का आरोप

ग्रामीणों के मुताबिक, ग्राम पंचायत गोरता में लगभग 900 राशन कार्डधारी हितग्राही हैं। इनमें से करीब 400 हितग्राहियों को कई महीनों से राशन नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन देने के नाम पर कई बार उनसे अंगूठा लगवा लिया जाता है, लेकिन जब खाद्यान्न मांगने पहुंचते हैं तो राशन खत्म होने की बात कहकर वापस भेज दिया जाता है। ग्रामीणों ने राशन दुकान संचालक पर करीब 25 लाख रुपये के राशन की कथित हेराफेरी का भी आरोप लगाया है। हालांकि, इस राशि और खाद्यान्न की कथित हेराफेरी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। बताया जा रहा है कि ग्राम पंचायत गोरता की राशन दुकान का संचालन महामाया स्वयं सहायता समूह के नाम से किया जाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि



दुकान नियमित रूप से नहीं खोली जाती और महीने के अंतिम दिनों में राशन वितरण किए जाने से कई हितग्राही समय पर खाद्यान्न प्राप्त नहीं कर पाते। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर राशन वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग की है।

वाहनों में सवार होकर तहसील पहुंचे ग्रामीण, कार्रवाई की मांग

राशन दुकान के सामने विरोध प्रदर्शन के बाद ग्रामीणों का आक्रोश और बढ़ गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण पिकअप सहित अन्य वाहनों से तहसील कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने तहसीलदार लखनपुर अमन चतुर्वेदी के समक्ष आवेदन सौंपकर मामले में उचित कार्रवाई की मांग की। तहसीलदार अमन चतुर्वेदी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए इस संबंध में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से चर्चा करने की बात कही। अब आगे की कार्रवाई और जांच को लेकर प्रशासन के स्तर पर क्या कदम उठाए जाते हैं, इस पर ग्रामीणों की नजरें टिकी हुई हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि मामले में उचित कार्रवाई नहीं होती और हितग्राहियों को नियमित रूप से राशन मिलना शुरू नहीं होता, तो वे कलेक्टर के समक्ष भी शिकायत लेकर पहुंचेंगे।

दुकान से अलग राशन तौलते दिखा युवक, कैमरा देखते ही भागा

मामले के दौरान एक और घटनाक्रम सामने आया, जिसने राशन वितरण की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। जब राशन दुकान के सामने ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन जारी था, उसी दौरान एक युवक पीओएस मशीन लेकर दुकान से अलग स्थान पर राशन तौलता दिखाई दिया।बताया गया कि युवक से इस संबंध में जानकारी लेने की कोशिश की गई, लेकिन कैमरा देखते ही वह बिना कुछ बताए वहां से भाग गया। इस घटनाक्रम के बाद यह सवाल उठने लगा कि दुकान से अलग स्थान पर राशन तौलने की व्यवस्था किसके निर्देश पर और किस उद्देश्य से की जा रही थी। हालांकि, इस गतिविधि के पीछे का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं है। इसकी भी जांच किए जाने की जरूरत है।

खाद्य विभाग के अधिकारी का पक्ष नहीं मिल सका

मामले में खाद्य निरीक्षक सतपाल सिंह से संपर्क कर उनका पक्ष जानने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो पाने के कारण उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। राशन वितरण में अनियमितता, हितग्राहियों को खाद्यान्न नहीं मिलने और कथित हेराफेरी के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है। अब बड़ा सवाल यह है कि आखिर गोरता के गरीब हितग्राहियों को उनके हक का राशन कब मिलेगा? ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन और तहसील कार्यालय में शिकायत के बाद अब प्रशासनिक जांच तथा कार्रवाई का इंतजार है। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई के साथ हितग्राहियों को लंबित राशन उपलब्ध कराना भी प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान को लेकर भाजपा की जिला कार्यशाला संपन्न

- जिला प्रभारी गोपाल साहू ने संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और बूथ स्तर तक अभियान पहुंचाने का किया आह्वान, वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं को दिए दिशा-निर्देश



अम्बिकापुर। भाजपा संगठन जिला सरगुजा द्वारा लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला संगठन प्रभारी गोपाल साहू उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सांसद चिंतामणि महाराज, जिला सह प्रभारी सुनील गुप्ता, विधायक प्रबोध मिंज, विधायक रामकुमार टोप्पो, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, महापौर मंजूषा भगत एवं जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह का आतिथ्य रहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी गोपाल साहू ने संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व प्रत्येक कार्यकर्ता और पदाधिकारी के कार्यों पर नजर रखता है। इसलिए सभी कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बूथ स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मन की बात' में अधिकतम कार्यकर्ताओं की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार भ्रामक और नकारात्मक नैरेटिव फैलाने का प्रयास कर रही है। विपक्ष द्वारा प्रधानमंत्री के विरुद्ध की जा रही टिप्पणियों और नकारात्मक प्रचार के तथ्यों को जनता के सामने रखना आवश्यक है।सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान की आवश्यकता क्यों पड़ी, इसे समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर निर्माण से लेकर देशहित के अनेक विषयों पर विपक्ष ने विरोध का रास्ता अपनाया है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए काम कर रही है। पहाड़ी कोरवा जैसे विशेष पिछड़ी जनजातीय समुदायों तक भी शासन की योजनाएं पहुंच रही हैं। उन्होंने कहा कि देश के सर्वांगीण विकास और जनकल्याणकारी कार्यों को लेकर विपक्ष की आलोचनाओं के बीच भाजपा कार्यकर्ताओं को सरकार के कार्यों एवं योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचानी चाहिए। जिला सह प्रभारी सुनील गुप्ता ने बूथ स्तर पर नियमित बैठकें आयोजित करने और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता जनता के बीच सक्रिय रहकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे नैरेटिव का तथ्यों के साथ जवाब दें तथा अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने एसआईआर को लेकर कहा कि उनके अनुसार इस प्रक्रिया में किसी भी पात्र नागरिक का नाम नहीं काटा गया है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची को शुद्ध और व्यवस्थित बनाने की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस द्वारा सवाल उठाए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उससे जुड़े विचारधारा वाले लोग सोशल मीडिया के माध्यम से नकारात्मक माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पहले देश और प्रदेश में नक्सली हिंसा, सड़कों का अभाव, पेयजल संकट और बुनियादी सुविधाओं की कमी जैसी अनेक चुनौतियां थीं। आज इन विषयों पर हुए विकास कार्यों की जानकारी नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता घर-घर जाकर अभियान की जानकारी दें तथा युवाओं और विद्यार्थियों को देश के इतिहास एवं वर्तमान विकास की वास्तविकताओं से अवगत कराएं।विधायक प्रबोध मिंज ने अभियान की रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विरोध के नाम पर अराजकता फैलाने के प्रयासों को लेकर भाजपा जनता के बीच जागरूकता अभियान चला रही है।

कोटेया के चार मेधावी विद्यार्थियों को मिला 25 25 हजार रुपये का चेक



- विधायक भूलन सिंह मरावी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को किया सम्मानित, प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किए

सूरजपुर/प्रेमनगर। दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने की पहल के तहत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया के चार विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि का चेक प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रेमनगर मिडिल स्कूल मैदान में प्रस्तावित कार्यक्रम 28/10/2026 के दौरान प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने अपने हाथों से मेधावी विद्यार्थियों को चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया बता दें कि विधायक भूलन सिंह मरावी ने प्रेमनगर में दसवीं एवं बारहवीं बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की थी। इसी घोषणा के तहत प्रेमनगर विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोटेया के कक्षा बारहवीं के छात्र प्रवीण सिरदार ने 91.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रेमनगर विकासखंड में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा दसवीं में विद्यालय के छात्र गुलशन ने 93.10 प्रतिशत, कु. आसमा ने 90.30 प्रतिशत तथा कु. डिंकल सिरदार ने 90.30 प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इन चारों विद्यार्थियों को 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

विकासखंड के अन्य मेधावी विद्यार्थी भी हुए सम्मानित

प्रेमनगर विकासखंड के अन्य विद्यालयों के मेधावी विद्यार्थियों को भी उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। इनमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चंदननगर की कु. दीपा राजवाड़े ने 95.50 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पूरे विकासखंड में प्रथम स्थान हासिल किया। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय (सेजस), प्रेमनगर की कु. ममता रानी ने 94.50 प्रतिशत तथा कु. प्रीति साहू ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसी प्रकार शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नवापारा कला की कु. प्रीति साहू ने 93.50 प्रतिशत एवं कु. प्रतिज्ञा दास ने 91.10 प्रतिशत अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इन विद्यार्थियों को भी 25-25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि के चेक एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मेधावी विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से कोटेया विद्यालय के प्राचार्य लीनू मिंज, व्याख्याता कृष्ण कुमार ध्रुव, नवापारा प्राचार्य आलोक भट्टाचार्य, बालक प्राचार्य आर. पात्रे, चंदननगर प्राचार्य धनेन्द्र राजपूत, सेजस प्राचार्य आर. बी. सिंह में हर्ष है। विद्यार्थियों की सफलता से विद्यालय परिवार में हर्ष का माहौल है। शिक्षकों ने विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और अनुशासन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा, सहायक संचालक (शिक्षा) अजय सिंह।

जसवंतपुर में स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का भव्य अनावरण

- जनसेवा और आदिवासी समाज के उत्थान में योगदान को किया गया याद

अम्बिकापुर । छत्तीसगढ़ के बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के शंकरगढ़ विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिरई-जसवंतपुर में बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सरगुजा अंचल के वरिष्ठ जननेता स्वर्गीय काका लरंग साय की प्रतिमा का अनावरण किया गया। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से प्रतिमा का अनावरण किया और स्वर्गीय लरंग साय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जनसेवा, जनजातीय समाज के उत्थान तथा क्षेत्र के विकास में दिए गए योगदान को याद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय लरंग साय ने अपना संपूर्ण जीवन गरीबों, वंचितों, जनजातीय समाज और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित किया। अविभाजित मध्यप्रदेश में विधायक, सांसद और मंत्री के रूप में उन्होंने जनहित को सर्वोपरि रखते हुए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका सरल व्यक्तित्व, सहज व्यवहार और समाज के प्रति समर्पण आज भी जनमानस के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को जनसेवा, सामाजिक समरसता और जनकल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय काका लरंग साय का सार्वजनिक जीवन जनसेवा और क्षेत्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। उन्होंने जनजातीय समाज के अधिकारों, सम्मान और विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जीवन संघर्ष, सादगी और जनहित के प्रति समर्पण की मिसाल रहा है। ग्राम जसवंतपुर में उनकी प्रतिमा की स्थापना उनके योगदान को सम्मान देने के साथ-साथ उनकी विचारधारा और आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण पहल है। मुख्यमंत्री श्री साय ने स्वर्गीय लरंग साय के साथ अपने आत्मीय संबंधों का उल्लेख करते हुए



कहा कि उन्हें उनके सान्निध्य में रहने और उनके अनुभवों से सीखने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय लरंग साय के आदर्श सार्वजनिक जीवन में सदैव प्रासंगिक रहेंगे।

बलरामपुर जिले को 202.65 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात

प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के अवसर पर मुख्यमंत्री ने बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में कुल 202 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत के 2,009 विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इनमें 156 करोड़ 68 लाख रुपये की लागत के 1,863 कार्यों का भूमिपूजन तथा 45 करोड़ 97 लाख रुपये की लागत से पूर्ण 146 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। इन विकास कार्यों से जिले में सड़क, पुल-पुलिया, पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाओं और ग्रामीण अधोसंरचना के विस्तार को गति मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने क्षेत्र के संतुलित एवं समग्र विकास के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई।

क्षेत्र के विकास और स्मृतियों को संजोने की घोषणाएं

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने क्षेत्र की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए शंकरगढ़ में बालक हायर सेकेंडरी स्कूल के नवीन भवन के निर्माण तथा चांदो में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए बड़े सामुदायिक भवन के निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही स्वर्गीय काका लरंग साय की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाने के लिए प्रतिमा स्थल के समीप भव्य स्मृति द्वार बनाने की भी घोषणा की।कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने स्वर्गीय लरंग साय के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका जीवन जनसेवा और क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित रहा।

संक्षिप्त समाचार

लिस्टिंग के दूसरे दिन भी जियो का जलवा, शेयर 4% से ऊपर उछला, 1690 हुआ टार्गेट प्राइस

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के सबसे बड़े आईपीओ के जरिए बाजार में उतरी जियो ने पहले ही दिन निवेशकों को मोटा मुनाफा देकर नया रिकॉर्ड बना दिया। लिस्टिंग के दूसरे दिन भी जियो का जलवा जारी है और इसके शेयर शुरुआती कारोबार में ही 4 प्रतिशत से अधिक उछलकर 1489.70 के हाई पर पहुंच गए। एनएसई पर सुबह 10 बजे 1.93 करोड़ से अधिक शेयर खरीदारी के लिए दांव पर लगे थे। जबकि, बेचने के लिए केवल 27.34 लाख शेयर ही ऑर्डरबुक में थे। उस समय जियो का शेयर 3.32 प्रतिशत ऊपर 1464.50 रुपये पर था। विदेशी ब्रोकरेज फर्म नोमुरा का मानना है कि जियो अब सिर्फ नए उपभोक्ता जोड़ने के बजाय मौजूदा ग्राहकों से ज्यादा कमाई करने के चरण में प्रवेश कर रही है। इसका फायदा आगे कंपनी को मिल सकता है। वहीं, अन्य प्रमुख ब्रोकरेज कंपनियों ने जियो के शेयरों में 1,690 रुपये तक



की तेजी की उम्मीद जताई है। यानी अब जियो के शेयर का टार्गेट प्राइस 1690 रुपये तक पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जियो के आईपीओ को इतनी अच्छी प्रतिक्रिया मिलना बाजार के लिए अच्छा है। इससे नई शुरुआत हो सकती है, जिसमें बड़ी कंपनियां आएंगी और बड़े निवेशकों को आकर्षित करेंगी। इससे निवेशकों का भरोसा मजबूत होगा, साथ ही आने वाले समय में बाजार की क्षमता को लेकर सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। बाजार में उतरे देश के अब तक के पांच बड़े आईपीओ में से पहले दिन सबसे अधिक 26 प्रतिशत से अधिक का मुनाफा जियो के शेयरों ने निवेशकों को दिया है। इससे पहले जो पांच बड़े आईपीओ बाजार में उतरे थे, उनका प्रदर्शन पहले दिन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था।

12.38 करोड़ एक्टिव क्रेडिट कार्ड्स...लेकिन क्या कम हो रहा है खर्च का जोश सितंबर के आंकड़ों ने चौंकाया!

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो चुकी है। लोग जमकर खरीदारी करते हुए नजर आ रहे हैं। वे कैश के अलावा, यूपीआई, डेबिट कार्ड और क्रेडिट कार्ड से शॉपिंग कर रहे हैं। इस बीच देश में क्रेडिट कार्ड की मांग और इसके इस्तेमाल को लेकर सितंबर 2026 के आंकड़े (डाटा) आए हैं। हाल ही में अमेरिकी कंपनी जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें भारत के घरेलू क्रेडिट कार्ड में साल-दर-साल 9.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, देश में बढ़ती क्रेडिट कार्ड की मांग के बीच इसके इस्तेमाल के सितंबर के आंकड़ों ने चौंका दिया है। आइए जानते हैं पूरी खबर। जेफरीज की रिपोर्ट में बताया गया है कि सितंबर 2026 में, भारत में कुल



एक्टिव क्रेडिट कार्डों की संख्या बढ़कर 123.8 मिलियन यानी 1,238 लाख (12.38 करोड़) हो गई, जो अगस्त 2026 में दर्ज 9 प्रतिशत की वृद्धि से आगे है। वहीं, सितंबर 2026 में क्रेडिट कार्ड से होने वाला कुल खर्च गिरा है। यह साल-दर-साल आधार पर 6.2 प्रतिशत गिर गया, जबकि पिछले महीने इसमें 5.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। महीने-दर-महीने आधार पर देखें तो, पूरे उद्योग के खर्च में 0.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जिससे यह 2 ट्रिलियन रुपये तक पहुंच गया है। साल-दर-साल आधार पर खर्च में आई कमी मुख्य रूप से पिछले साल के ऊंचे आधार (बेस) को दर्शाती है, जो लग्ज़री लागू होने के बाद के खर्च और त्योहारों के जल्दी आने की वजह से बढ़ा था। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि अलग-अलग कार्ड जारी करने वाली कंपनियों (इश्यूअर्स) का प्रदर्शन, कार्ड के चलन और खर्च की मात्रा के मामले में अलग-अलग रहा। कार्ड्स के मामले में, चलन में मौजूद कार्डों की संख्या में साल-दर-साल आधार पर मामूली सुधार हुआ।

चीन की बादशाहत को चुनौती देगा भारत

10 हजार करोड़ से कंटेनर निर्माण को बढ़ावा, आयात पर निर्भरता घटाकर आत्मनिर्भर बनेगा भारत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के शिपिंग कंटेनर बाजार पर चीन की बादशाहत है। वह इस मार्केट का 90-97 फीसदी कंट्रोल करता है। इसके उलट भारत सालाना 20 लाख खाली कंटेनर इंपोर्ट करता है। अब भारत ने सप्लाई चेन में चीन पर इस निर्भरता को खत्म करने का फैसला किया है। केंद्रीय कैबिनेट ने इसके तहत 13 साल (वित्त वर्ष 2039-40 तक) के लिए 'कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग असिस्टेंस स्कीम' को मंजूरी दी है। इस पर 10,000 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह स्कीम देश में नई कंस्ट्रक्शन यूनिट्स, टेस्टिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा देगी। इसकी मदद से भारत को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा।

भारत को क्या है जरूरत: भारत का निर्यात तेजी से बढ़ रहा है। हर साल उसे करीब 20 लाख खाली कंटेनरों की जरूरत पड़ती है। घरेलू मांग को पूरा करने के लिए इनका आयात किया जाता है। यह भारत को इनके प्रति संवेदनशील बनाता है। इसके पीछे तीन मुख्य कारण हैं- चीन कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग के पूरे खेल में क्यों अहम है कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग में चीन दुनिया का सबसे बड़ा खिलाड़ी है। दुनिया की कुल शिपिंग कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी का करीब 90-97 फीसदी शेयर चीन के पास है। कोरोना महामारी के दौर में कंटेनरों की भारी किल्लत देखने को मिली थी। तब चीन का उत्पादन



प्रभावित हुआ था। कंटेनरों की किल्लत का असर माल ढुलाई दरों पर भी पड़ा था। इसने पूरी दुनिया को एहसास करा दिया था कि बहुत ज्यादा निर्भरता क्यों जोखिम भरी हो सकती है। कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग स्कीम का मकसद क्या है कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग स्कीम का मकसद घरेलू सप्लाई चेन को मजबूत करना है। इसमें हिस्सा लेने वाली यूनिटों को वित्त वर्ष 2031-32 तक कम से कम 70 फीसदी लोकल सामग्री का इस्तेमाल करना होगा। वित्त वर्ष 2032-33 से यह बढ़कर 90 फीसदी हो जाएगा। सरकार ने बताया है कि इस स्कीम से 50,000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा होने की संभावना है। कंटेनर मैन्युफैक्चरिंग और उससे जुड़े उद्योगों में करीब 3,000 प्रत्यक्ष नौकरियां और 50,000 से ज्यादा अप्रत्यक्ष नौकरियां बनने के आसार हैं। इस तरह का अनुमान है कि भारत में बने कंटेनरों की कॉस्ट चीन के मुकाबले अभी 30-40 फीसदी ज्यादा होती है।

ये अलग-अलग कम्पोनेंट कैसे सपोर्ट करेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी। पहले बात करते हैं 'ब्याज सब्सिडी सहायता' यानी इंटरेस्ट सबवेंशन असिस्टेंस की। इसके तहत ऐसे टर्म लोन पर 3 फीसदी वार्षिक ब्याज सब्सिडी देने के लिए 859 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं जिसे पूंजी लगाने के लिए लिया जाएगा। एलिजिबिलिटी के लिए ग्रीनफील्ड फैसिलिटी की वार्षिक क्षमता कम से कम 1,00,000 टीइयू होनी चाहिए। टीइयू का मतलब होता '20-फुट इक्विवेलेंट यूनिट' है। यह शिपिंग और लॉजिस्टिक्स की दुनिया में समुद्री कंटेनरों की क्षमता या कार्गो वॉल्यूम मापने की एक स्टैंडर्ड यूनिट है। ब्राउनफील्ड विस्तार परियोजनाओं में कम से कम 25,000 टीइयू की अतिरिक्त क्षमता जुड़नी चाहिए। इन सुविधाओं को सैद्धांतिक मंजूरी मिलने के तीन साल के भीतर चालू करना है। इन्हें ग्लोबल कंटेनर पैरामीटर्स को पूरा करना होगा। दूसरा कम्पोनेंट है टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन। इसके लिए 150 करोड़ रुपये आवंटित हुए हैं। यह कुल बजट का करीब 1.5% है। इसका मकसद 'डायनेमिक लोंगिट्यूडिनल इम्पैक्ट टेस्टिंग' के लिए सामान्य सुविधाओं को सहायता देना है। तीसरा अहम फैक्टर 'लैंड लीजिंग सपोर्ट' यानी भूमि पट्टे पर सहायता है। इसके तहत प्रमुख बंदरगाह प्राधिकरण कंटेनर मैन्युक्रिंग यूनिटों को 25 फीसदी की रियायती दर पर जमीन पट्टे पर दे सकते हैं।

ड्रोन हमले थमते ही रूस ने दिखाया कमाल, रिफाइनरियों में ताबड़तोड़ उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस ने डबल धमाका किया है। ड्रोन हमले थमने के बाद उसके एनर्जी सेक्टर ने जोरदार वापसी की है। रूसी रिफाइनरियों में उत्पादन 25 फीसदी बढ़ गया है। दूसरी ओर इस साल



के पहले नौ महीनों में रूस से भारत को होने वाले एग्रो एक्सपोर्ट में 11 फीसदी का उछाल आया है। सनफ्लावर ऑयल यानी सूरजमुखी के तेल की रिकॉर्ड शिपमेंट के बूते ऐसा हुआ है। रूस भारत का बेहद भरोसेमंद पार्टनर है। इस लिहाज से ये दोनों घटनाक्रम बेहद महत्वपूर्ण हैं। दुनिया में उथल-पुथल और पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच भारत-रूस के आर्थिक रिश्ते नई मजबूती के साथ आगे बढ़े हैं। दोनों ने साल 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का टारगेट रखा है। एग्रोएक्सपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार, इस व्यापारिक बढ़ोतरी के साथ रूस ने भी भारत से केमिकल्स, चाय, मेडिकल इक्विपमेंट, सीफूड और मसालों की खरीदारी में भारी इजाफा किया है।

भारत-रूस के बीच बढ़ रहा है व्यापार: रूसी संसद के निचले सदन 'स्टेट ड्यूमा' के चेयरमैन व्याचेस्लाव वोलोडिन ने कहा है कि इस साल अब तक दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार में 20% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। इस ग्रोथ को और रफ्तार देने के लिए काम किया जा रहा है। इसके लिए व्यापारिक बाधाओं को हटाने के साथ ज्वाइंट वेंचर्स के विस्तार पर तेजी से काम हो रहा है। इसका मकसद भारत और रूस के बीच सप्लाई चेन को ज्यादा मजबूत बनाना है।

रूसी अर्थव्यवस्था को मिली यह बड़ी राहत: वहीं, इस बीच रूसी तेल रिफाइनिंग सेक्टर को भी राहत मिली है। मार्च के मध्य से यूक्रेन ने ड्रोन हमलों को जारी रखा हुआ था। इन हमलों के चलते रूस में घरेलू ईंधन की भारी किल्लत हो गई थी। इससे रूस को पेट्रोल, जेट फ्यूल और डीजल के एक्सपोर्ट पर रोक लगानी पड़ी थी।

हालांकि, 16 अक्टूबर के बाद से रूसी रिफाइनरियों पर ड्रोन हमले पूरी तरह रुक गए हैं। इसकी बड़ी वजह अमेरिका के साथ रूस का समझौता है। हाल ही में अमेरिका ने रूस के साथ डीजल सप्लाई से जुड़ा करार किया।

तेजी से बढ़ गया है रिफाइनरियों का उत्पादन: ड्रोन हमले रुकते ही रूसी रिफाइनरियों ने उत्पादन को तेजी से बढ़ा दिया है। रूस के उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने बताया है कि ज्यादातर जरूरी तेल और गैस उपकरण घरेलू स्तर पर बने हैं। इसलिए जिन इकाइयों को नुकसान हुआ था, उन्हें तुरंत बहाल कर लिया गया।

अक्टूबर के दूसरे पखवाड़े में कच्चे तेल (क्रूड) की प्रोसेसिंग 25 फीसदी बढ़कर करीब 50 लाख बैरल प्रतिदिन हो गई है। उत्पादन बढ़ते ही डीजल आउटपुट 17 लाख बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया है। अमेरिकी सौदे के तहत डीजल के अंतरराष्ट्रीय एक्सपोर्ट को भी कुछ हद तक दोबारा खोल दिया गया है।

दाल, तेल, मक्का, कपास... महंगाई होगी बेकाबू! बढ़ाना पड़ सकता है आयात

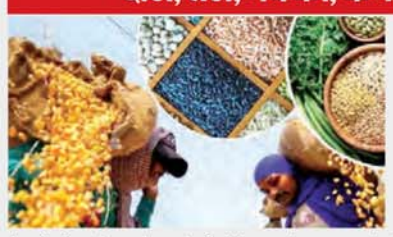

नई दिल्ली, एजेंसी। अल नीनो ने देश में दाल, चीनी, तिलहन और धान जैसी जरूरी फसलों के उत्पादन को बुरी तरह प्रभावित किया है। इसे अब तक का सबसे शक्तिशाली अल नीनो माना जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि इस कारण भारत को खाने-पीने की चीजों का आयात करना पड़ सकता है। साथ ही भारत को इस फाइनेंशियल ईयर में एनिमल फीड और एग्रीकल्चर रॉ मटीरियल्स का आयात भी बढ़ाना पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक सूखे की वजह से फसलों के उत्पादन में कमी आई है। इस कारण सप्लाई को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। वहीं, इंडस्ट्री भी लागत को काबू में रखने के लिए आयात को आसान बनाने की मांग कर रहा है। चीनी उद्योग को पहले ही रॉ शुगर के आयात के लिए समय-सीमा बढ़ाने की मंजूरी मिल चुकी है। अब एडिबल ऑयल का आयात भी बढ़ाना पड़ सकता है। साथ ही सोयाबीन मील और मक्के का इंपोर्ट भी करना पड़ सकता है। खरीफ सीजन में सोयाबीन और मूंगफली के उत्पादन में गिरावट की आशंका है। इसके अलावा, सर्दियों में होने वाली सरसों की फसल को लेकर भी चिंताएं बनी हुई हैं। इससे खाद्य तेल का आयात बढ़ सकता है। पोल्ट्री उद्योग सोयाबीन मील और मक्के के आयात की अनुमति मांग रहा है।

एआई की मदद से जालसाजों ने उड़ाए 300 करोड़ रूपये

नई दिल्ली, एजेंसी। जालसाल एआई का यूज करके देश के वित्तीय सेक्टर को निशाना बना रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक पिछले लगभग दो महीनों में पूरे देश में साइबर अटैक के जरिए जालसाजों ने नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों से करीब 300 करोड़



उड़ा लिए हैं। इनमें से ज्यादातर छोटी कंपनियां हैं। इस मामले में अब तक लगभग 150 शिकायतें या एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं।

सूत्रों के अनुसार इन हमलों में कमजोर साइबर सिक्योरिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमियों का फायदा उठाया गया है। इनमें मुख्य रूप से वे कंपनियां शामिल हैं जिनका टर्नओवर लगभग 1,000 करोड़ या उससे कम है। एक सूत्र ने बताया, 'साइबर हमले पहले भी होते थे, लेकिन पिछले डेढ़ महीने में ये बहुत बढ़ गए हैं। कुछ कंपनियों पर तो बार-बार हमले हुए हैं।'

दिल्ली की कंपनी पर दो बार हमला: लोगों ने बताया कि दिल्ली में एक दो बार साइबर अटैक हुआ। कंपनी को पहले हमले में 7.5 करोड़ का नुकसान हुआ और कुछ दिनों बाद एक और हमले में 7.25 करोड़ का नुकसान हो गया। साइबर सुरक्षा एजेंसियां इस स्थिति से निपटने के लिए दिन-रात काम कर रही हैं। उन्होंने जल्द से जल्द अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने की सलाह दी है।

15 अक्टूबर तक के आंकड़ों के मुताबिक आरबीआई के पास 8,502 NBFCs रजिस्टर्ड थीं। मुंबई में लगभग 30, दिल्ली में 25 से ज्यादा और चेन्नई तथा अन्य शहरों में 15-16 शिकायतें दर्ज की गई हैं। साइबर धोखाधड़ी से जुड़ी शिकायतें या मामले की संवेदनशीलता के कारण आमतौर पर गोपनीय रखी जाती हैं।

चीन का हैकिंग प्लेटफॉर्म

कई मामलों की जांच पूरी हो चुकी है। जांच एजेंसियों ने पाया है कि इसके पीछे नाम का एक चीनी हैकिंग प्लेटफॉर्म है। अन्य मामलों की जांच अभी भी जारी है। भारत के साथ-साथ जापान और दक्षिण कोरिया की कंपनियों को भी ऐसे हमलों का सामना करना पड़ा है विशेषज्ञों ने बताया कि दो चीनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूलकिट साथ-साथ ओपन-सोर्स मॉडल का इस्तेमाल करके भारत और दुनिया भर के फाइनेंशियल सिस्टम को निशाना बनाया जा रहा है। सुरक्षा अपग्रेड करने को कहा पिछले 1.5 महीनों में हमले तेज, पूरे भारत में 150 से अधिक शिकायतें दर्ज धोखेबाज खामियों का फायदा उठाने से पहले संगठनों की व्हाइटलिस्टेड तक पहुंच बनाते हैं भारत के साथ जापान और कोरिया भी निशाने पर दुनियाभर में 2,250 से अधिक संगठनों को जरिए निशाना बनाया गया।

घर बैठे कैसे चेक करें सोने की शुद्धता, तरीके बताएंगे असली-नकली का फर्क

नईदिल्ली, एजेंसी। धनतेरस और दिवाली पर सोने की ज्वेलरी खरीदने जा रहे हैं, तो सावधान रहें! सोना खरीदने में लोग अपनी बड़ी बचत खर्च करते हैं, ऐसे में यह जानना जरूरी है कि ज्वेलर आपको जिस कैरेट का सोना बेच रहा है, उसकी शुद्धता उतनी ही है या नहीं। अच्छी बात यह है कि घर पर कुछ तरीकों से सोने की शुरुआती जांच की जा सकती है। हालांकि, इनसे सोने के असली होने या उसकी शुद्धता की पूरी गारंटी नहीं मिलती। सोने की सही शुद्धता की पुष्टि के लिए बीआईएस हॉलमार्क, एचयूआईडी नंबर और जरूरत पड़ने पर प्रोफेशनल टेस्टिंग जरूरी है।

सोने की शुद्धता जांचने का सबसे जरूरी तरीका उसकी ज्वेलरी पर बीआईएस हॉलमार्क देखना है। यानी भारतीय मानक ब्यूरो सोने की शुद्धता से जुड़े मानकों की निगरानी करता है। हॉलमार्क वाली ज्वेलरी पर बीआईएस का लोगो, सोने की शुद्धता का निशान और छह अंकों का एचयूआईडी कोड होता है। शुद्धता का निशान बताता है कि ज्वेलरी कितने कैरेट की है। उदाहरण के लिए, 22 कैरेट सोने पर 22च्य या 916, 18 कैरेट पर 18च्य या 750 और 14 कैरेट पर 14च्य या 585 का निशान हो सकता है। सोना खरीदते समय इन निशानों को ध्यान से देखें।

सोने की शुद्धता जांचने के लिए एचयूआईडी नंबर भी महत्वपूर्ण है। एचयूआईडी यानी हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन एक छह अंकों का कोड है, जिसमें अक्षर और नंबर दोनों होते हैं। हर हॉलमार्क वाली ज्वेलरी को अलग पहचान देने के लिए यह कोड दिया जाता है। ग्राहक बीआइएस केयर ऐप के जरिए इस नंबर की जांच कर सकते हैं। इससे ज्वेलरी की हॉलमार्किंग से जुड़ी जानकारी को वैरिफाई करने में मदद मिलती है। सोना खरीदते समय पक्का बिल जरूर लें और उसमें ज्वेलरी



का वजन और शुद्धता दर्ज करवाएं। घर पर सोने की शुरुआती जांच के लिए सिरेमिक टेस्ट का तरीका भी चलन में है। इसमें बिना चमक वाली खुरदरी सिरेमिक सतह पर ज्वेलरी को हल्के से रगड़कर निशान देखा जाता है। सुनहरे रंग की लकीर सोने के होने का संकेत हो सकती है, जबकि काली या गहरे रंग की लकीर दूसरे मेटल की मौजूदगी की ओर इशारा कर सकती है। हालांकि, यह तरीका पूरी तरह भरोसेमंद नहीं है और इससे ज्वेलरी पर खरोंच भी आ सकती है। इसलिए महंगी ज्वेलरी पर यह प्रयोग करने से बचें। सोने की जांच के लिए सफेद सिरके का इस्तेमाल करने का तरीका भी बताया जाता है। इसमें ज्वेलरी पर सिरके की कुछ बूंदें डालकर रंग में बदलाव देखा जाता है। अगर मेटल का रंग बदलता है, तो उसमें दूसरे मेटल या कोटिंग की संभावना हो सकती है।

अमेरिका में फेड ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

भारतीय बाजार और सोने-चांदी की कीमत पर होगा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने मुख्य ब्याज दर को यथावत रखा है। महंगाई के ऊंचे स्तर पर बने रहने के बावजूद फेड ने ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया और इसे लगभग 3.9% पर स्थिर रखा। इससे पहले सितंबर में फेड ने अपनी बेंचमार्क ब्याज दर में 25 आधार अंक की बढ़ोतरी की थी। यह जुलाई 2023 के बाद ब्याज दरों में पहली बढ़ोतरी थी। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका में ब्याज दरों में बदलाव का पूरी दुनिया पर असर होता है।

फेडरल ओपन मार्केट कमिटी ने 10-2 के बहुमत से अपने बेंचमार्क फेडरल फंड्स रेट को 3.75% से 4% की रेंज में बनाए रखने के पक्ष में वोट दिया। जानकारों का कहना है कि ब्याज दरों में बढ़ोतरी पर रोक को टाला गया है क्योंकि देश में अगले महीने मध्यावधि चुनाव होने हैं। दिसंबर में होने वाली अगली नीतिगत बैठक में फेड ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर सकता है। फेड के ब्याज दरों में बदलाव का भारत पर व्यापक असर पड़ता है। खासकर बढ़ोतरी से वैश्विक वित्तीय स्थितियां सख्त हो जाती हैं और कैपिटल फ्लो बदल जाता है। लेकिन इसके यथावत रहने से भारतीय शेयर बाजार पर कोई खास असर पड़ने की संभावना नहीं है।



फेड का फैसला उम्मीदों के मुताबिक है। बाजार का फोकस अब तेल की ऊंची कीमत और यूएस बॉन्ड यील्ड में हो रही बढ़ोतरी पर है।

मिंट की एक रिपोर्ट के मुताबिक जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के चीफ इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजिस्ट वी.के. विजयकुमार ने कहा, 'बाजार ने पहले ही ब्याज दरों में ठहराव को मान लिया था, इसलिए इसका कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। बाजार में एक पॉजिटिव ट्रेंड यह है कि वैल्यू बाइंग देखने को मिल रही है, क्योंकि बाजार के कई हिस्सों में अब शेयर आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हो रहे हैं।' सोने-चांदी की कीमत और ब्याज दरों के बीच आमतौर पर विपरीत संबंध होता है। यानी जब ब्याज दरें बढ़ती हैं तो अक्सर सोने की कीमतें गिर जाती हैं और जब ब्याज दरें घटती हैं तो सोने की कीमतें बढ़ जाती हैं। पिछले सत्र में सोने और चांदी की कीमतों में मामूली गिरावट आई। इसकी वजह यह है कि निवेशक फेड के नीतिगत फैसले का इंतजार कर रहे थे। बाजार ने पहले ही ब्याज दरों में ठहराव को मान लिया था, इसलिए इसका कोई खास असर पड़ने की उम्मीद नहीं है। बाजार में एक पॉजिटिव ट्रेंड यह है कि वैल्यू बाइंग देखने को मिल रही है।

सीतारमण ने कहा- भूत देखना बंद करें, राहुल गांधी का जवाब- कारोबारी आपसे नफरत करते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप। देश के सबसे प्रतिष्ठित कारोबारी घरानों में से एक। इन दिनों यह अंदरूनी घमासान के कारण सुर्खियों में है। अब यह बड़े राजनीतिक संग्राम का रूप ले चुका है। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति पर नोएल टाटा ने सवाल उठाए हैं। इन सवालों के बीच केंद्र सरकार और मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस में तीखी जुबानी जंग शुरू हो गई है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सरकार पर टाटा ग्रुप को 'आपराधिक तरीके से बर्बाद कर देने' के आरोप लगाए हैं। इसके बाद वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और राहुल गांधी आमने-सामने हैं। इसने सरकारी नीतियों, देश के उद्योग जगत और राजनीतिक प्राथमिकताओं पर नई बहस छेड़ दी है। विवाद के केंद्र में टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन के तौर पर एन. चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का फैसला है। टाटा ट्रस्ट्स के प्रमुख नोएल टाटा ने इस नियुक्ति को चुनौती दी है। नोएल टाटा ने 26 अक्टूबर को टाटा संस के कंपनी सेक्रेटरी को पत्र लिखकर आरोप लगाया है।

संपादकीय

लूला की जीत, ट्रंप को झटका

दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े देश ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा की राष्ट्रपति चुनाव में शानदार जीत ने देश में दक्षिणपंथी ताकतों और राष्ट्रपति ट्रंप को भी तगड़ा झटका दिया। इसे विश्व में वामपंथी विचारधारा की फिर से वापसी के रूप में देखा जा रहा है। इस जीत के साथ वर्कर्स पार्टी के 80 वर्षीय लीडर लूला को चौथी बार राष्ट्रपति बनने का मौक़ा मिला है। उन्होंने चुनाव में कट्टर दक्षिणपंथी प्रतिद्वंद्वी और लिबरल पार्टी के नेता फ्लावियो बोल्सोनारो को मामूली अंतर से हराया। चुनाव के दूसरे दौर में लूला को 51.76 फीसदी वोट मिले, जबकि जेल में बंद पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो को 48.24 फीसदी वोट मिले। अहम बात यह है कि लूला की जीत कई चुनावी सर्वे के अनुमानों के उलट रही। इन सर्वे में बोल्सोनारो को मामूली बढ़त दी गई थी। माना जा रहा था कि कभी ट्रंप के बहुत करीबी रहे बोल्सानारों के बेटे 45 वर्षीय सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो जीत सकते हैं, क्योंकि उन्होंने मतदान के पहले दौर में लगभग दो प्रतिशत अंकों की बढ़त हासिल की थी। हालांकि हार के बाद पूर्व राष्ट्रपति जाएर बोल्सोनारो के बेटे फ्लावियो बोल्सोनारो ने नतीजों को मानने से मना कर दिया है। लेकिन इससे हकीकत में कोई फर्क नहीं पड़ता। नतीजों पर अपनी प्रतिक्रिया में फ्लावियो बोल्सोनारो ने परिणामों को 'असंभव' बताते हुए 'समझ से परे' बताया है। उन्होंने लूला की जीत को स्वीकार करने से इनकार किया और चुनाव नतीजे रद्द करने की मांग की। गौरतलब है कि फ्लक' वियो के पिता जाएर बोल्सोनारो ने भी 2022 में चुनाव में अपनी हार स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। उल्लेखनीय है कि वामपंथी नेता लूला इससे पहले 2003 से 2010 तक राष्ट्रपति रह चुके हैं। लूला की जीत को लेकर अंतिम समय तक संशय इसलिए भी बना रहा क्योंकि मतदान के दौरान सुप्रीम कोर्ट के एक जज ने मतदान केंद्रों के बंद होने का निर्धारित समय क़रीब आने पर मतदान की अवधि दो घंटे बढ़ाने का आदेश दिया था। यह आदेश लूला के गठबंधन की उन शिकायतों के बाद आया, जिनमें कई राज्यों में सार्वजनिक परिवहन से जुड़ी समस्याओं का ज़िक्र किया गया था। ब्राज़ील के कई नागरिक मतदान केंद्रों तक पहुँचने के लिए सार्वजनिक परिवहन पर निर्भर हैं। यहां उल्लेखनीय है कि पूर्व मेटल वर्कर लूला 1989 में पहली बार राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ने के बाद से ब्राज़ील में वामपंथ के सबसे प्रमुख नेता रहे हैं। इसके बावजूद उन्हें अब अपने राजनीतिक जीवन की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है। उनका नया कार्यकाल पाँच जनवरी 2027 से शुरू होगा। अब लूला के सामने देश की आंतरिक और बाहरी कई चुनौतियां होंगी। इनमें राष्ट्रपति ट्रंप की नाराजगी भी शामिल है। क्योंकि लूला ने ट्रंप की आक्रामक विदेश नीति का हमेशा विरोध किया। हालांकि ट्रंप ने लूला के प्रतिद्वंद्वी फ्लावियो बोल्सोनारो का सीधे तौर पर समर्थन नहीं किया था। फिर भी लूला से नाराजी के चलते अमेरिका ने ब्राजील पर कई व्यापार शुल्क और अन्य प्रतिबंध लगाए हैं।

इस्लामिक नाटो की चुनौती : भारत के लिए कितना नुकसान, कितनी संभावना?

दूसरा अवसर कूटनीति का है। भारत के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा भारतीय प्रवासियों से जुड़े गहरे संबंध हैं। इन देशों के साथ भारत की साझेदारी केवल धार्मिक या राजनीतिक समीकरणों पर आधारित नहीं, बल्कि पारस्परिक आर्थिक हितों पर टिकी है। इसलिए भारत के लिए जरूरी होगा कि वह पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों को अपने द्विपक्षीय रिश्तों पर हावी न होने दे। तीसरा लाभ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में छिपा है। भारत अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध रखता है।

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया की बदलती भू राजनीतिक परिस्थितियों में नए सामरिक गठबंधनों का उभरना किसी एक देश की सुरक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव क्षेत्रीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और कूटनीतिक संबंधों पर भी पड़ता है। हाल ही में सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के बीच रक्षा सहयोग तथा मुस्लिम देशों के बीच सामरिक समन्वय को लेकर हुई गतिविधियों ने भारत की विदेश नीति के सामने नए सवाल खड़े किए हैं। इन देशों के बीच उभरते रक्षा सहयोग को कुछ विश्लेषक इस्लामिक नाटो' की संज्ञा दे रहे हैं। हालांकि, इसे नाटो जैसा औपचारिक, एकीकृत सैन्य गठबंधन मानना अभी जल्दबाजी होगी। भारत के लिए असली प्रश्न यह है कि इस बदलते समीकरण से उसकी सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर क्या प्रभाव पड़ सकता है?

नाटो एक औपचारिक सैन्य गठबंधन है, जिसकी सदस्यता, संस्थागत व्यवस्था और सामूहिक रक्षा संबंधी स्पष्ट प्रतिबद्धताएं हैं। इसके विपरीत, मुस्लिम बहुल देशों के बीच रक्षा समझौतों और सहयोग की पहल को उसी स्तर का गठबंधन मानने से पहले उसकी शर्तों, सैन्य प्रतिबद्धताओं और वास्तविक कार्यप्रणाली को समझना आवश्यक है। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के हित कई मुद्दों पर समान हो सकते हैं, लेकिन उनकी प्राथमिकताएं हर विषय पर एक जैसी नहीं हैं।

सऊदी अरब की प्राथमिकता अपनी क्षेत्रीय सुरक्षा, ऊर्जा प्रतिष्ठानों और आर्थिक विकास की रक्षा करना है। पाकिस्तान अपनी सैन्य और कूटनीतिक स्थिति को मजबूत करना चाहता है, जबकि तुर्किये क्षेत्रीय राजनीति में अपनी भूमिका बढ़ाने का इच्छुक है। इन देशों का आपसी सहयोग भविष्य में कितना व्यापक होगा, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि वे साझा हितों को ठोस सुरक्षा व्यवस्था में कितना बदल पाते हैं।

भारत के लिए पहली चिंता पाकिस्तान की भूमिका है। पाकिस्तान के साथ भारत के संबंध लंबे समय से आतंकवाद, सीमा पार घुसपैठ और सुरक्षा संबंधी विवादों से प्रभावित रहे हैं। यदि किसी नए रक्षा सहयोग के माध्यम से पाकिस्तान को अतिरिक्त सैन्य संसाधन, तकनीकी सहायता, खुफिया सहयोग या कूटनीतिक समर्थन मिलता है, तो इससे भारत की सुरक्षा संबंधी चुनौतियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, केवल रक्षा समझौते के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि सहयोगी देश पाकिस्तान के प्रत्येक कदम का समर्थन करेंगे।

दूसरी चिंता कश्मीर और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के विरुद्ध संभावित कूटनीतिक लामबंदी की है। यदि कुछ देश पाकिस्तान



के पक्ष में साझा रुख अपनाते हैं, तो भारत को अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए अधिक कूटनीतिक प्रयास करने पड़ सकते हैं। लेकिन मुस्लिम देशों को एक ही राजनीतिक दृष्टिकोण वाला समूह मानना भी गलत होगा। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के भारत के साथ व्यापार, निवेश और ऊर्जा संबंध हैं, जिनका महत्व उनके पाकिस्तान के साथ संबंधों से अलग है। तीसरा पहलू रक्षा और सामरिक संतुलन का है। यदि भविष्य में इन देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास, उन्नत हथियारों की आपूर्ति या खुफिया सूचनाओं का व्यापक आदान-प्रदान बढ़ता है, तो भारत को पश्चिमी एशिया और हिंद महासागर क्षेत्र में अपनी रणनीति की समीक्षा करनी पड़ सकती है। भारत को अपनी समुद्री निगरानी, रक्षा उत्पादन, साइबर सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी क्षमताओं को लगातार मजबूत करना होगा। चौथी चिंता ऊर्जा सुरक्षा की है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए पश्चिम एशिया के देशों से महत्वपूर्ण मात्रा में तेल और गैस प्राप्त करता है। यदि क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा बढ़कर संघर्ष में बदलती है, तो तेल की कीमतों, समुद्री परिवहन और बीमा लागत पर दबाव पड़ सकता है। इसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और आम उपभोक्ता की जेब पर पड़ सकता है।

इस बदलते समीकरण का दूसरा पक्ष भी है। सबसे पहला लाभ यह हो सकता है कि भारत अपनी रक्षा तैयारियों और रणनीतिक आत्मनिर्भरता को और गति दे। किसी भी संभावित चुनौती के मद्देनजर स्वदेशी हथियार निर्माण, आधुनिक निगरानी प्रणालियों, मिसाइल रक्षा और समुद्री सुरक्षा में निवेश बढ़ाना दीर्घकालीन राष्ट्रीय हित में होगा। इससे भारत केवल किसी एक गठबंधन की प्रतिक्रिया में नहीं, बल्कि अपनी व्यापक सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप मजबूत बन सकेगा।

दूसरा अवसर कूटनीति का है। भारत के सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देशों के साथ ऊर्जा, व्यापार, निवेश तथा भारतीय प्रवासियों से जुड़े गहरे संबंध हैं। इन देशों के साथ भारत की साझेदारी केवल धार्मिक या राजनीतिक समीकरणों पर आधारित नहीं, बल्कि पारस्परिक आर्थिक हितों पर टिकी है। इसलिए भारत के लिए जरूरी होगा कि वह पाकिस्तान के साथ उनके संबंधों को अपने द्विपक्षीय रिश्तों पर हावी न होने दे।तीसरा लाभ भारत की रणनीतिक स्वायत्तता को मजबूत करने में छिपा है।

भारत अमेरिका, रूस, यूरोप, जापान और पश्चिम एशिया के देशों के साथ अपने हितों के अनुसार संबंध रखता है। किसी नए क्षेत्रीय गठबंधन के उभरने पर भारत अपनी बहुपक्षीय कूटनीति को और प्रभावी बना सकता है। साथ ही, आतंकवाद विरोधी सहयोग, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के मुद्दों पर साझेदार देशों के साथ संवाद बढ़ा सकता है।

चौथा अवसर यह है कि भारत को पश्चिम एशिया में अपनी भूमिका स्पष्ट करने का मौका मिल सकता है। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, तकनीक, ऊर्जा साझेदारी और क्षेत्रीय शांति के क्षेत्र में भरोसेमंद भागीदार बना रहता है, तो किसी भी नए सामरिक समीकरण के बावजूद उसकी उपयोगिता बनी रह सकती है। भारत को इस संभावित गठबंधन को लेकर न तो अनावश्यक भय पैदा करना चाहिए और न ही इसके प्रभाव को कम करके आंकना चाहिए। विदेश नीति का संचालन भावनाओं और धार्मिक पहचान के आधार पर नहीं, बल्कि तथ्यों, राष्ट्रीय हितों और दीर्घकालीन रणनीति के आधार पर होना चाहिए।

भारत को पाकिस्तान से जुड़ी सुरक्षा चुनौतियों पर सतर्क रहना चाहिए, लेकिन सऊदी अरब, तुर्किये और अन्य मुस्लिम बहुल देशों के साथ अपने संबंधों का मूल्यांकन प्रत्येक देश के वास्तविक व्यवहार के आधार पर करना चाहिए।भारत को खाड़ी देशों के साथ रक्षा संवाद, ऊर्जा आपूर्ति की विविधता, समुद्री मार्गों की सुरक्षा और आर्थिक सहयोग को मजबूत करना होगा। साथ ही, किसी भी उभरते सैन्य गठबंधन की वास्तविक गतिविधियों, समझौतों और क्षेत्रीय प्रभाव का निरंतर आकलन आवश्यक है।

सोशल मीडिया की चमक और वास्तविक स्वीकार्यता

अमरपाल सिंह वर्मा

विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर 21 लाख फॉलोअर्स वाले एक व्यक्ति की डिजिटल लोकप्रियता का अंदाजा सहज ही लग जाता है लेकिन इस लोकप्रियता के बाद कोई व्यक्ति अगर अपने ही गांव में सरपंच का चुनाव लड़े और उसे महज 33 वोट मिलें तो इसे क्या कहेंगे? यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर लाखों लोगों तक पहुंच रखने वाला व्यक्ति अपने गांव के मतदाताओं का भरोसा क्यों नहीं जीत पाया?

राजस्थान में जोधपुर जिले की ओसियां तहसील की इंदों की ढाणी ग्राम पंचायत में ओमप्रकाश ज्योतिषि की चुनावी हार सिर्फ एक उम्मीदवार की पराजय नहीं है। मेरी नजर में, यह उन लोगों के लिए भी एक सबक है जो सोशल मीडिया पर लोकप्रियता को जनता के समर्थन का प्रमाण मान बैठते हैं। आभासी दुनिया में किसी को पसंद करने वाले लाखों लोग हो सकते हैं लेकिन वास्तविक दुनिया में उसकी बात पर भरोसा करने वाले कितने हैं, इसका फैसला आखिरकार जनता ही करती है। सोशल मीडिया पर किसी को पसंद करना और उसे अपना प्रतिनिधि चुनना दोनों अलग बातें हैं। कोई व्यक्ति अच्छे वीडियो बनाता है, मनोरंजन करता है या किसी सामाजिक मुद्दे पर अपनी बात रखता है तो लोग उसे पसंद कर सकते हैं लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि वे उसे अपने गांव की सरकार चलाने की जिम्मेदारी भी सौंपना चाहते हैं। पंचायत का चुनाव देखने में छोटा जरूर लगता है लेकिन इसकी राजनीति को समझना आसान नहीं है। यहां एक-एक वोट के लिए उम्मीदवारों को कितनी मशक्कत करनी पड़ती है, यह गांव की राजनीति से परिचित लोग अच्छी तरह जानते हैं। कहीं रिश्तेदारी काम आती है, कहीं सामाजिक समीकरण और कहीं वर्षों का व्यक्तिगत संपर्क। उम्मीदवार को मतदाताओं के बीच जाना पड़ता है, उनकी समस्याएं सुननी पड़ती हैं और भरोसा पैदा करना पड़ता है। पिछले एक दशक में सोशल मीडिया चुनाव प्रचार का बड़ा माध्यम बना है, लेकिन इंदों की ढाणी का नतीजा बताता है कि डिजिटल पहुंच अपने आप चुनावी समर्थन में नहीं बदल जाती।

किसी व्यक्ति के वीडियो को राजस्थान से बाहर बैठे हजारों लोग देख सकते हैं लेकिन वे इंदों की ढाणी के मतदाता नहीं हैं। और जो लोग उसके वीडियो देखते हैं, उनमें से भी कितने लोग उसकी राजनीतिक सोच से सहमत हैं, यह अलग सवाल है। यही वास्तविक और आभासी दुनिया का फर्क है। आभासी दुनिया में लोकप्रियता हासिल करने के लिए कुछ अच्छे वीडियो, आकर्षक प्रस्तुति और लोगों की रुचि को समझना काफी हद तक मददगार हो सकता है। वास्तविक दुनिया में, खासकर राजनीति में, लोगों का भरोसा जीतने के लिए इससे कहीं ज्यादा करना पड़ता है।

ओमप्रकाश ने शिक्षा, गोसेवा और गांव की बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने का वादा किया था लेकिन चुनाव में केवल मुद्दे गिनाना पर्याप्त नहीं होता। मतदाता यह भी देखता है कि उम्मीदवार का उसके जीवन और स्थानीय समस्याओं से कितना जुड़ाव है। पिछले कुछ सालों में राजनीतिक दलों ने सोशल मीडिया को चुनावी रणनीति का बड़ा हथियार बना लिया है। आईटी सेल, ऑनलाइन प्रचार, वायरल वीडियो और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों के जरिए मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश लगातार बढ़ी है। इसमें कुछ गलत भी नहीं है। आखिरकार, संचार के हर नए माध्यम का इस्तेमाल राजनीति में होगा ही लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब सोशल मीडिया पर बन रहे माहौल को ही जनता का वास्तविक समर्थन मान लिया जाता है।

किसी नेता के पक्ष में हजारों ऑनलाइन टिप्पणियां देखकर यह निष्कर्ष निकाल लेना कि चुनाव में भी उसे उतना ही समर्थन मिलेगा, बड़ी भूल हो सकती है। डिजिटल प्रचार लोगों का ध्यान खींच सकता है लेकिन स्थानीय मुद्दों पर काम और जनता के बीच उपस्थिति का विकल्प नहीं है। चुनाव केवल प्रचार से नहीं जीते जाते। जनता के बीच मौजूदगी, उसके सवालों पर काम और मुश्किल समय में उसके साथ खड़े रहने का महत्व आज भी बना हुआ है। कोई नेता सोशल मीडिया पर कितना ही सक्रिय क्यों न हो, अगर आम लोगों को लगता है कि वह उनकी समस्याओं से दूर है, तो डिजिटल लोकप्रियता उसके बहुत काम नहीं आएगी।

इस पूरे मामले में एक अच्छी बात यह है कि ओमप्रकाश ज्योतिषि ने अपनी पराजय के बाद सोशल मीडिया की लोकप्रियता और जमीनी हकीकत के बीच बड़े अंतर को स्वीकार किया। अपनी हार से सबक लेना और वास्तविकता को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि वह अगले पांच साल तक गांव में रह कर लोगों की समस्याएं समझेंगे और पानी, सडक़ जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए काम करेंगे। यह कहना गलत होगा कि सोशल मीडिया की राजनीति में कोई भूमिका नहीं है। उसकी भूमिका है और आने वाले समय में शायद और बढ़ेगी लेकिन वह जनता से सीधे जुडऩे का विकल्प नहीं बन सकता। लोकतंत्र में मतदाता किसी की सोशल मीडिया प्रोफाइल देखकर ही अपना फैसला नहीं करता। वह अपने अनुभव, जरूरतों और उम्मीदों के आधार पर वोट देता है। इंदों की ढाणी के मतदाताओं ने भी अपना फैसला सुना दिया है। लाखों फॉलोअर्स किसी व्यक्ति को चर्चित तो बना सकते हैं लेकिन जनता का प्रतिनिधि बनने के लिए जनता के बीच अपनी जगह बनानी पड़ती है। चुनावी नैया सोशल मीडिया के सहारे पार करने की योजना बनाने वाले राजनीतिक दलों और नेताओं के लिए भी यही सबसे बड़ा सबक है।

पर्यावरण : येल सेंटर के शोध में भारत की 176वीं रैंकिंग का सच और सवाल

वायु प्रदूषण इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। नदियों में अनुपचारित अपशिष्ट, भूजल का अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण जल सुरक्षा को चुनौती देते हैं। जंगलों का विखंडन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर बढ़ता दबाव जैव विविधता के लिए खतरा है। ये अलग-अलग समस्याएं नहीं, बल्कि विकास, शहरी नियोजन, ऊर्जा उत्पादन और संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी परस्पर संबंधित चुनौतियां हैं। फिर भी, भारत की रैंकिंग की व्याख्या करते समय दो सावधानियां जरूरी हैं। पहली, 22.46 अंक का अर्थ यह नहीं कि भारत का पर्यावरण केवल 22.46 प्रतिशत अच्छा है।

विवेक रंजन श्रीवास्तव

जिस देश में नदियों को माता, वृक्षों को देवता और पृथ्वी को जीवनदायिनी मानने की परंपरा रही है, उसी भारत का 177 देशों के पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक 2026 में 176वें स्थान पर होना चिंता और आत्ममंथन का विषय है।

येल और कोलंबिया विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं द्वारा तैयार इस सूचकांक में भारत को 100 में से केवल 22.46 अंक मिले हैं। पहले स्थान पर एस्टोनिया 74.79 अंकों के साथ है। दक्षिण एशिया के आठ देशों में भारत अंतिम स्थान पर है।

ये आंकड़े हमारी विकास संबंधी प्राथमिकताओं और पर्यावरण संरक्षण के वास्तविक परिणामों पर गंभीर प्रश्न हैं। लेकिन किसी रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देने से पहले यह जानना भी जरूरी है कि उसके निष्कर्ष कितने विश्वसनीय हैं और उनकी सीमाएं क्या हैं।

येल का सेंटर फॉर एनवायरनमेंटल लॉ एंड पॉलिसी तथा कोलंबिया विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं का पर्यावरण प्रदर्शन सूचकांक एक प्रतिष्ठित शोध आधारित तुलनात्मक अध्ययन है। इसकी विश्वसनीयता का प्रमुख आधार इसकी घोषित कार्यपद्धति, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और शोध स्रोतों से प्राप्त आंकड़े, संकेतकों का विवरण तथा मूल आंकड़ों को सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराना होता है।

वर्ष 2026 का सूचकांक 47 संकेतकों और 12 श्रेणियों को पर्यावरणीय स्वास्थ्य, पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनक्षमता और जलवायु परिवर्तन संबंधी तीन व्यापक उद्देश्यों को लेकर है। इसकी पद्धति में ओईसीडी की समग्र सूचकांक निर्माण संबंधी मार्गदर्शिका को आधार बनाया गया है। शोधकर्ता आंकड़ों, मानकों और भार निर्धारण के अपने निर्णयों की समीक्षा के लिए वे स्वतंत्र शोधकर्ताओं को भी आमंत्रित करते हैं।

इसलिए इस रिपोर्ट को महज विदेशी संस्थानों की पूर्वाग्रही राय कहकर खारिज करना शुतुरमुर्ग का रेत में मुँह छिपाना होगा। हालांकि, इसकी रैंकिंग को पर्यावरण की संपूर्ण और निर्विवाद तस्वीर मान लेना भी वैज्ञानिक दृष्टि नहीं है।

यह एक समग्र सूचकांक है, जिसमें अलग-अलग पर्यावरणीय संकेतकों को निर्धारित मानकों और भार के आधार पर एक अंक में बदला जाता है। संकेतकों का चयन, उनके भार और बेहतर अथवा खराब प्रदर्शन के मानक तय करने में शोध संबंधी अनेक निर्णय शामिल होते हैं।

स्वयं यह शोधकर्ता स्वीकार करते हैं कि समग्र सूचकांक बनाने की पद्धति के कई संभावित विकल्प हो सकते हैं और उनके निर्धारित भार ही एकमात्र सही व्यवस्था नहीं हैं। अतः इस रिपोर्ट की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी पद्धति में है, जबकि उसकी सीमाएं समग्र अंक और रैंकिंग की व्याख्या में सामने आती हैं।

भारत के आंकड़ों को देखें तो पर्यावरणीय स्वास्थ्य में उसका स्थान 174वां, वायु गुणवत्ता में 175वां और जैव विविधता एवं प्राकृतिक आवास में 174वां है। पारिस्थितिकी तंत्र की जीवनक्षमता में भारत 171वें स्थान पर है। जलवायु परिवर्तन शमन में 130वीं रैंकिंग अपेक्षाकृत बेहतर है, लेकिन इसे संतोषजनक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता। इन आंकड़ों का सबसे गंभीर संदेश यह है कि आर्थिक विकास की गति के साथ पर्यावरणीय स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में हम अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाए हैं।

वायु प्रदूषण इसका सबसे प्रत्यक्ष उदाहरण है। नदियों में अनुपचारित अपशिष्ट, भूजल का अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक जलस्रोतों का क्षरण जल सुरक्षा को चुनौती देते हैं। जंगलों का विखंडन और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर बढ़ता दबाव जैव विविधता के लिए खतरा है। ये अलग-अलग समस्याएं नहीं, बल्कि विकास, शहरी नियोजन, ऊर्जा उत्पादन और संसाधनों के प्रबंधन से जुड़ी परस्पर संबंधित चुनौतियां हैं।

फिर भी, भारत की रैंकिंग की व्याख्या करते समय दो सावधानियां जरूरी हैं। पहली, 22.46 अंक का अर्थ यह नहीं कि भारत का पर्यावरण केवल 22.46 प्रतिशत अच्छा है। यह निर्धारित पद्धति से प्राप्त तुलनात्मक स्कोर है। दूसरी, पिछली रैंकिंग से सीधी तुलना करके सुधार या गिरावट का निष्कर्ष निकालना उचित नहीं, क्योंकि सूचकांक के अलग-अलग संस्करणों में संकेतकों, आंकड़ों और भार निर्धारण की पद्धति में बदलाव किए गए हैं। स्वयं ईपीआई शोधकर्ता पुराने और नए संस्करणों के समग्र अंकों की सीधी तुलना से बचने की सलाह देते हैं। वास्तविक प्रगति जानने के लिए संबंधित पर्यावरणीय संकेतकों के तुलनीय आंकड़ों का समयानुसार अध्ययन अधिक उपयोगी है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि भारत का प्रदर्शन सभी संकेतकों में समान रूप से खराब नहीं है। कुछ विशिष्ट क्षेत्रों में उसके परिणाम बेहतर हैं। इसलिए पूरी रिपोर्ट को राष्ट्रीय विफलता का प्रमाणपत्र मानने के बजाय उन क्षेत्रों की पहचान करने के लिए इस्तेमाल करना चाहिए जहां सुधार की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही, भारत की विशाल आबादी, विकास संबंधी आवश्यकताओं और विकसित देशों की ऐतिहासिक उत्सर्जन जिम्मेदारियों को भी जलवायु नीति के व्यापक संदर्भ में समझना चाहिए। लेकिन ये परिस्थितियां अपने नागरिकों को स्वच्छ हवा और सुरक्षित पानी उपलब्ध कराने की घरेलू जिम्मेदारी से मुक्ति नहीं देतीं।

समाधान के लिए पर्यावरणीय नीतियों को घोषणाओं से आगे ले जाना होगा। सार्वजनिक परिवहन का विस्तार, औद्योगिक प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण, सीवेज का सुरक्षित उपचार, प्राकृतिक वनों का संरक्षण, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा और पर्यावरणीय आंकड़ों की सार्वजनिक निगरानी प्राथमिकताएं बननी चाहिए। योजनाओं की सफलता पौधारोपण की संख्या या खर्च की गई राशि से नहीं, बल्कि जीवित बचे वृक्षों, स्वच्छ हुए जलस्रोतों, सुधरी वायु गुणवत्ता और सुरक्षित प्राकृतिक आवासों से मापी जानी चाहिए।

मेरे विचार में येल और कोलंबिया के शोधकर्ताओं की यह रिपोर्ट भारत के लिए अंतिम फैसला नहीं, बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। इसकी पद्धति की सीमाओं को समझते हुए भी इसके निष्कर्षों से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। रिपोर्ट पर सवाल उठाना हमारा अधिकार है, लेकिन सवालों के नाम पर वास्तविक प्रदूषण और पर्यावरणीय क्षरण की अनदेखी करना आत्मघाती होगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा प्रकृति के सम्मान का संदेश देती है। अब उस संदेश को व्यवहार में बदलने का समय है। नदी को माता कहने का अर्थ उसके जल को प्रदूषित होने से बचाना है और वृक्ष को पूजने का अर्थ उसके संरक्षण की जिम्मेदारी निभाना है। विकास तभी सार्थक है जब वह मनुष्य के जीवन को बेहतर बनाने के साथ प्रकृति को भी सुरक्षित रखे।

किसी देश की प्रगति केवल उसकी अर्थव्यवस्था की ऊंचाई से नहीं, बल्कि उसकी हवा की शुद्धता, नदियों की निर्मलता और आने वाली पीढ़ियों के लिए बची हुई प्राकृतिक संपदा से भी मापी जानी चाहिए। पर्यावरण की कीमत पर हासिल विकास अंततः विकास नहीं, भविष्य से लिया गया कर्ज है।

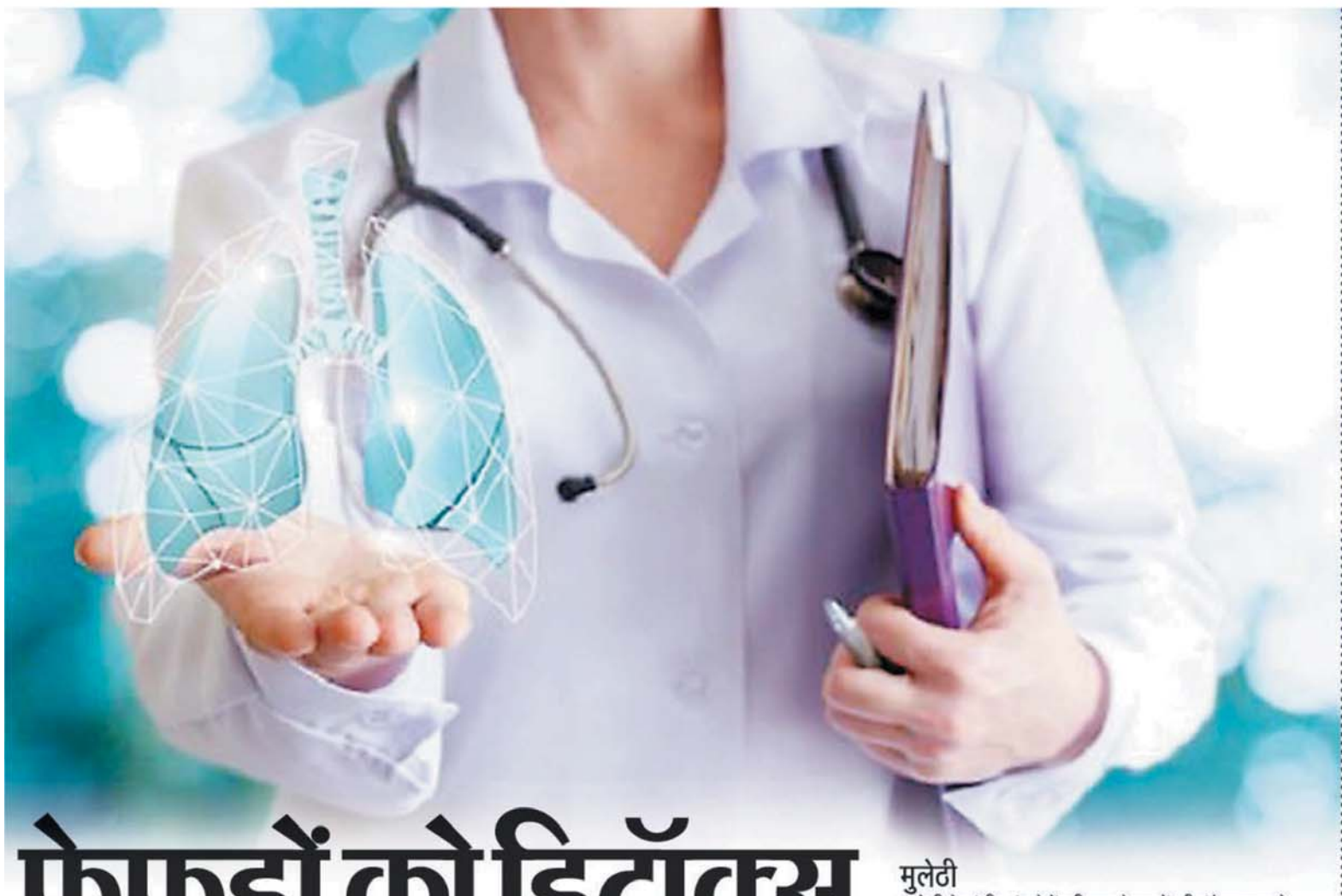

फेफड़ों को डिटॉक्स करना बहुत जरूरी मददगार हैं ये आहार

सांस लेने के लिए फेफड़े मानव शरीर का सबसे अहम अंग हैं। इसके जरिए ही ऑक्सीजन शरीर में जाती है और कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकलती है। अगर फेफड़े स्वस्थ होंगे तभी शरीर के बाकी अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिल सकेगी। वातावरण के प्रदूषित होने से इसमें मौजूद टॉक्सिन्स इकट्ठे होकर फेफडों के अंदर पहुंच जाते हैं। जिससे सांस की बीमारी, एलर्जी आदि सहित कई रोग पैदा हो सकते हैं। इनसे बचाव रखने के लिए फेफड़ों को डिटॉक्स रखना बहुत जरूरी है।

विटामिन सी युक्त आहार



विटामिन सी युक्त आहार फेफड़ों को डिटॉक्स करने के काम करते हैं। कीवी, संतरा, नींबू आदि खट्टे फल फेफड़ों को स्वस्थ और मजबूत बनाने के लिए लाभकारी हैं।

पिपरमेंट

पिपरमेंट में मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट फेंफड़ों को स्वस्थ रखने के लिए फायदेमंद है। यह मसल्स को रिलेक्स करके श्वसन प्रणाली के रास्ते को आसान बना देता है। इससे फेफडे स्वस्थ रहते हैं।

मुलेठी

मुलेठी के एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण फेफड़ों की इंफैक्शन को दूर करने में बहुत लाभकारी है। गला खराब, सासं लेने में परेशानी आदि में मुलेठी चूसने से श्वसन तंत्र साफ हो जाता है। जिससे फेफड़े आसानी से अपना काम करने लगते हैं।

ओरिगेनो



हर्ब्स फेफड़ों को स्वस्थ रखने में बहुत फायदेमंद हैं। ओरिगोनों इनमें से एक है, इसमे विटामिन और पोषक तत्व हिस्टामिन को कम करते हैं जिससे फेफड़ों के जरिए ऑक्सीजन का प्रवाह आसानी से होने लगता है।

अदरक

दिन में एक बार गर्म पानी में अदरक का रस और थोड़ा-सा शहद मिलाकर पीएं। इससे फेफड़े आसानी से डिटॉक्स हो जाते हैं। गर्मी के मौसम में इसे न पीएं।

अनार

अनार के एंटीऑक्सीडेंट फेफड़ों में फैले विषाक्त पदार्थों को आसानी से साफ कर देता है। दिन में 1 कटोरी अनार जरूर खाएं।



जानलेवा है रेबीज वायरस

जरूरी है समय पर इलाज

रेबीज एक ऐसा वायरस है, जो जानवरों के काटने से फैलता है। यह एक जानलेवा रोग है क्योंकि इसके लक्षण बहुत देर में दिखने शुरू होते हैं। आमतौर पर लोग मानते हैं कि रेबीज केवल कुत्तों के काटने से होता है लेकिन बिल्ली, बंदर आदि कई जानवरों के काटने से भी इस बीमारी के वायरस व्यक्ति के शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। इसके अलावा कई बार पालतू जानवर के चाटने या जानवर की लार का आदमी के खून से सीधे संपर्क होने से भी यह रोग हो सकता है। आइए जानते हैं कि यह कैसे फैलता है और इसके लक्षण इलाज क्या है?

कैसे करता है प्रभावित

- जब रेबीज वायरस सीधे व्यक्ति के नर्वस सिस्टम में पहुंच जाते हैं और उसके बाद व्यक्ति के मस्तिष्क तक पहुंच जाए।
- जब रेबीज वायरस मसल टिशूज में पहुंच जाते हैं, जहां वो व्यक्ति के इम्यून सिस्टम से बचकर अपनी संख्या बढ़ाते रहते हैं। इसके बाद ये वायरस न्यूरोमस्कुलर जंक्शन के द्वारा नर्वस सिस्टम में पहुंच जाते हैं।
- रेबीज वायरस जब व्यक्ति के नर्वस सिस्टम में पहुंच जाते हैं, तो ये दिमाग में सूजन पैदा कर देते हैं, जिससे जल्द ही व्यक्ति कोमा में चला जाता है या उसकी मौत हो जाती है। इस रोग के कारण कई बार व्यक्ति के व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है कई बार उसे पानी से डर लगने लगता है। इसके अलावा कुछ लोगों को लकवा भी हो सकता है।

लक्षण

इसके लक्षण चार से आठ सप्ताह में विकसित होने लगते हैं। रेबीज के लक्षण इस प्रकार के होते हैं

- बुखार
- सिरदर्द
- घबराहट या बेचैनी
- चिंता और व्याकुलता
- भ्रम की स्थिति
- खाना-पीना निगलने में कठिनाई
- बहुत अधिक लार निकलना
- पानी से डर लगना (हाईड्रोफोबिया)
- पागलपन के लक्षण
- अनिद्रा
- एक अंग में पैरालिसिस यानी लकवा मार जान

इलाज

यदि जानवर काट लें तो तुरंत रोगी को टिटेनस का इंजेक्शन लगवाना चाहिए और डॉक्टर की सलाह से काटे गए जख्म का उचित इलाज करवाना चाहिए।

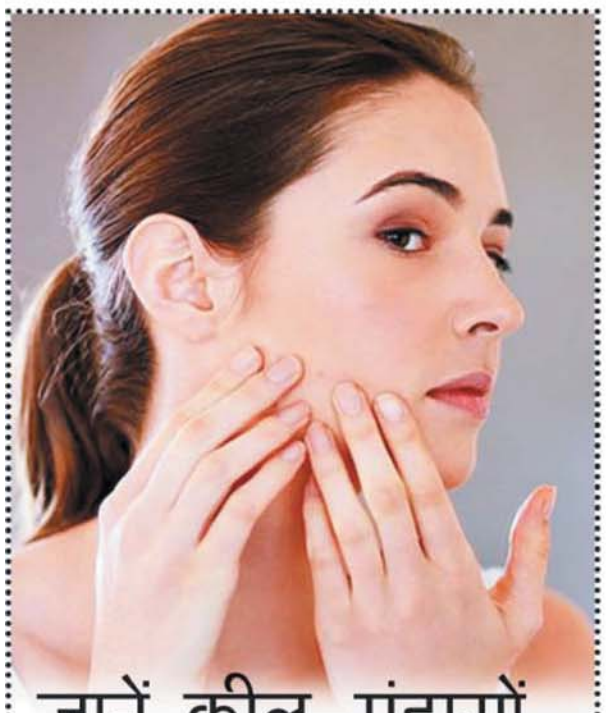

जानें, कील-मुंहासों से छुटकारा पाने के आसान घरेलू उपाय

कील-मुंहासे व पिंपल केवल चेहरे तक ही सीमित नहीं रहते बल्कि यह सीने, गले तथा पीठ पर भी हो जाते हैं। आमतौर पर पीठ पर पिंपल ज्यादा होते हैं। इनके होने के पीछे का कारण हार्मोन है, जो ज्यादा सीबम पैदा करते हैं और पिंपल बनाते हैं। अगर आप भी चाहती हैं कि आपकी पीठ बिल्कुल साफ और बेदाग दिखे, तो कुछ घरेलू उपचार हैं जिनकी मदद से आप पीठ पर होने वाले मुंहासे से छुटकारा पा सकती हैं। अपनाएं यह घरेलू उपचार।

कील-मुंहासे, चेहरे पर धब्बे, मुंहासों के निशान लम्बे समय तक कच्चो नारियल का पानी लगाने से मिट जाते हैं। यदि नारियल का पानी उपलब्ध नहीं हो तो दूध में बताशा पीसकर मिलायें। इस मिश्रण को चेहरे पर मल लें। एक घंटे बाद ताजा पानी से धो लें। अवश्यक लाभ होगा।

हल्दी- तीन चम्मच हल्दी और पानी मिला कर गाढ़ा पेस्ट तैयार करके रात में उसे पीठ पर लगाएं। सुबह गरम पानी और मेडिकेटेड सोप से नहाएं। इसको दो हफ्ते लगातार करें, असर जरूर होगा।

एलो वेरा- नहाने के बाद एलो वेरा को अपनी पीठ पर लगाएं। इससे पीठ पर पड़े चकत्ते, दाग-धब्बे और मुंहासों की वजह से पड़ी सूजन दूर हो जाएगी।

कहीं आपका बच्चा टूरेट सिंड्रोम से ग्रस्त तो नहीं है?

छोटे बच्चों को कोई भी चीज व काम सीखने-समझने में वक्त लगता है, क्योंकि सभी चीजें उनके लिए नई होती हैं। माता-पिता को बच्चों की हर एक गतिविधि, हरकत व व्यवहार पर गौर करना चाहिए, तभी आप पता लगा पाएंगे कि आपका बच्चा टूरेट सिंड्रोम से ग्रस्त तो नहीं है?



बच्चों में टूरेट सिंड्रोम आमतौर पर 2 से 14 साल की उम्र में होता है। इसका कोई स्थाई उपचार नहीं होता, लेकिन इसका पता लगने पर इसे नियंत्रित जरूर किया जा सकता है। जो बच्चे इसके शिकार होते हैं, उनका व्यवहार थोड़ा असामान्य होता है। आइए, जानते हैं टूरेट सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चे कैसे संकेत देते हैं-

- टूरेट सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों की शारीरिक हरकतें कुछ अलग होती हैं, जैसे वे बार-बार और लगातार पलक झपकाते हैं, बाहों को हिलाते हैं या होंठों को हिलाते हैं।
- सामान्य बच्चे आमतौर पर चंचल होते हैं और कूद-फांद करते रहते हैं, लेकिन टूरेट सिंड्रोम से पीड़ित बच्चों को चलने, दौड़ने, सीधा बैठने आदि में समस्या आती है।
- सामान्य बच्चे कभी-कभी गुस्सा करते हैं और अपना आपा पूरी तरह से नहीं खोते हैं। वहीं इस बीमारी से ग्रस्त बच्चे बहुत अधिक गुस्सा होते हैं और अपना आपा खो देते हैं। यहां तक कि अर्थहीन और गलत शब्दों का प्रयोग सार्वजनिक स्थानों पर कर सकते हैं।
- टूरेट सिंड्रोम से ग्रस्त बच्चे गुस्से में खुद को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं।
- ये बच्चे मानसिक रूप से अस्वस्थ होते हैं, इन्हें मूड स्विंग बहुत होते हैं, जिससे ये खुद भी तनावग्रस्त रहते हैं।
- यदि बच्चे में इस तरह के लक्षण दिखें, तो आपको डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए।



बच्चों में मोटापे की समस्या बढ़ा सकता है घर में कीटनाशकों का इस्तेमाल

शोधार्थियों ने दावा किया है कि घरों में साफ-सफाई के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कीटाणुनाशक और अन्य केमिकल बच्चों में मोटापे की समस्या बढ़ा सकती हैं। एक नए अध्ययन में दावा किया गया है कि फिनाइल, हार्पिक, लाइजोल और इस तरह के अन्य उत्पाद बच्चों के 'गट माइक्रोब्स' (मानव के पाचन तंत्र में रहने वाले सूक्ष्म जीव) में बदलाव कर बच्चों में वजन बढ़ने की प्रवृत्ति को बढ़ा सकते हैं।

कैनेडियन मेडिकल एसोसिएशन जर्नल में इस बारे में एक अध्ययन प्रकाशित किया गया है। इस अध्ययन के लिए कनाडा की अल्बेटा यूनिवर्सिटी के शोधार्थियों ने 3-4 महीने की आयु के 757 शिशुओं के 'गट माइक्रोब्स' का विश्लेषण किया। अध्ययन के दौरान घरों में इस्तेमाल किए जाने वाले कीटाणुनाशक, सफाई सामग्री और अन्य पर्यावरण हितैषी उत्पाद के प्रभावों का विश्लेषण करते हुए बच्चों का वजन मापा गया। अध्ययन में यह पाया गया कि घरों में कीटाणुनाशकों का ज्यादा इस्तेमाल किए जाने से 3-4 माह की आयु वाले बच्चों के 'गट माइक्रोब्स' में बदलाव आया। उन्होंने पाया कि अन्य डिटर्जेंट और सफाई में इस्तेमाल होने वाले उत्पादों का भी बच्चों पर ऐसा ही प्रभाव पड़ा।

संक्षिप्त समाचार

न्यूयॉर्क में लागू हुआ नया कानून, बच्चों के लिए असुरक्षित चैटबॉट पर लगा प्रतिबंध



वाशिंगटन, एजेंसी। न्यूयॉर्क कंपैनियन चैटबॉट (साथी चैटबॉट) को देखते हुए कड़े प्रतिबंध लागू कर रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा करना है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हैं। न्यूयॉर्क में लागू होने वाला यह कानून तय करेगा कि एम्प्लॉय किस तरह एआई सिस्टम का इस्तेमाल करें और डेवलपर्स पर दबाव डालेगा कि वे एआई से होने वाले किसी बड़े नुकसान को रोकें। यह कानून 1 जनवरी से लागू होगा।

18 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बैन: गवर्नर कैथी होचुल ने बुधवार को एक कानून पर हस्ताक्षर किए। इसमें असुरक्षित एआई कंपैनियन फीचर्स की एक दर्जन परिभाषाएं दी गई हैं। अगर कोई चैटबॉट 18 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ बातचीत करता है, तो इन फीचर्स का इस्तेमाल प्रतिबंधित होगा।

वहीं अगर इस कानून का उल्लंघन होता है तो चैटबॉट डेवलपर के खिलाफ मुकदमा भी दायर किया जा सकता है। इसके तहत जुर्माना लगाया जा सकता है, चैटबॉट को पूरी तरह बंद किया जा सकता है और डेटा को नष्ट करने की सजा भी दी जा सकती है। गवर्नर होचुल ने यह बिल ऐसे समय में साइन किया है जब एआई तकनीक के तेजी से विकास के साथ ही खतरे भी तेजी से बढ़ रहे हैं। ये फैसला चुनावी अभियानों के बीच लिया गया है। अमेरिकी कांग्रेस एआई को रेगुलेट करने के लिए बहुत कम काम कर रही है, इसलिए राज्य सरकारें अपने उपभोक्ता संरक्षण कानूनों का इस्तेमाल कर रही हैं। इनका मकसद एआई के उपयोग को अधिक पारदर्शी बनाना और चैटबॉट तथा अनियंत्रित एआई मॉडलों पर लगाम लगाना है। न्यूयॉर्क के कानून के तहत, 18 साल से कम उम्र के बच्चों के साथ चैटबॉट का कुछ खास व्यवहार प्रतिबंधित है। इसमें ऐसे सुझाव देना शामिल है जिससे लगे कि चैटबॉट कोई असली इंसान है, जिसमें भावनाएं या राय हैं, या बच्चे के साथ उसका कोई वास्तविक रिश्ता है। इसके अलावा, ऐसे संदेशों पर भी रोक है जो चापलूसी करते हैं, जिनमें यौन रूप से स्पष्ट सामग्री होती है या जो गोपनीयता बनाए रखने या हानिकारक व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। वॉचडॉग ग्रुप कॉमन सेंस मीडिया के संस्थापक और सीइओ, जिम स्टेयर ने न्यूयॉर्क के कानून को देश में बच्चों की एआई सुरक्षा से जुड़ा सबसे मजबूत बिल बताया है।

कोई शर्म होती है..., मुनीर के ईरान दौरे पर पाकिस्तानी सांसद ने ख्वाजा आसिफ का उड़ाया मजाक

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में बुधवार को जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने देश के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ पर तीखा तंज कसा।तेहरान में आयोजित एक उच्च स्तरीय क्षेत्रीय सुरक्षा बैठक में फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और गृह मंत्री मोहसिन नकवी की मौजूदगी पर सवाल उठाते हुए फजल ने पूछा कि रक्षा से जुड़े इतने बड़े मंच से खुद रक्षा मंत्री ही क्यों गायब थे। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक नेशनल असेंबली में संबोधन के दौरान मौलाना फजलुर रहमान ने रक्षा मंत्री की गैर-मौजूदगी को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया। फसल ने तंज कसते हुए कहा, ईरान में एक अहम सुरक्षा समझौता आकार ले रहा है, वहां शीर्ष स्तर की बैठक चल रही है और हमारे रक्षा मंत्री यहां सदन में आराम से बैठे हैं। उन्होंने आगे चुटकी लेते हुए पूछा कि अगर रक्षा मंत्री को नहीं जाना था, तो क्या वहां गृह मंत्री मोहसिन नकवी की जरूरत थी मौलाना फजल ने ख्वाजा आसिफ द्वारा पूर्व में पीटीआई पर कसा गया मशहूर दोहराते हुए कहा,यही है आपकी इज्जत और आपका कद... कोई शर्म होती है, कोई हया होती है। फजल के इस बयान पर पूरे सदन में मेजे थपथपाई गई और जोरदार ठहाके गूंज उठे। सदन में घिरने के बाद गुरुवार को नेशनल असेंबली ख्वाजा आसिफ ने इस मामले पर सफाई पेश की। आसिफ ने कहा कि तेहरान में किसी भी प्रकार के रक्षा समझौते पर बातचीत नहीं हो रही थी और उस बैठक का पाकिस्तान के सीधे रक्षा मामलों से कोई संबंध नहीं था।

भारत ने यूएन सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए ठोकी दावेदारी, एआई बेस्ड समुद्री सुरक्षा का रखा प्रस्ताव

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत ने 2028-29 के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट पाने की भारत की दावेदारी के लिए समुद्री सुरक्षा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को मुख्य केंद्र बनाया है।

सुरक्षा परिषद में एक उच्च-स्तरीय चर्चा के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजदूत हरीश पर्वथानेनी ने जोर देकर कहा कि साझा समुद्री क्षेत्रों को विवाद का केंद्र बनाने की बजाय अधिक सुरक्षित बनाने पर ध्यान देना चाहिए।

भारत अगले साल सुरक्षा परिषद की अस्थायी सीट के लिए चुनाव लड़ रहा है, जिसका कार्यकाल 2028 से शुरू होगा। इसके लिए मतदान अगले साल जून में होगा, जिसमें एशिया-प्रशांत समूह श्रेणी की एकमात्र सीट के लिए भारत और ताजिकिस्तान के बीच मुकाबला होगा।

भारत ने उठाया एआई और समुद्री सुरक्षा का मुद्दा: भारत के स्थायी प्रतिनिधि हरीश पर्वथानेनी ने कहा, भारत ने 2028-2029 के लिए सुरक्षा परिषद में अपनी उम्मीदवारी के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और समुद्री सुरक्षा को महत्वपूर्ण प्राथमिकताएं माना है। हरीश पर्वथानेनी ने आगे कहा, हमारा उद्देश्य स्पष्ट है- तकनीक



को मानव सुरक्षा को मजबूत करना चाहिए, न कि उसे कमजोर करना। इसे अवसरों का विस्तार करना चाहिए, न कि असमानता को और इसे हमारे साझा समुद्री क्षेत्रों को अधिक सुरक्षित बनाना चाहिए, न कि विवादों से भरा।

भारतीय राजदूत ने साइबर खतरों और वाणिज्यिक जहाजों पर होने वाले हमलों के खिलाफ बोलते हुए कहा, विकासशील देशों को अपने समुद्री बुनियादी ढांचे को सुरक्षित रखने और तकनीकी शासन को आकार देने में सार्थक रूप से भाग लेने के लिए तकनीक, प्रशिक्षण और संस्थागत क्षमताओं तक पहुंच की आवश्यकता है।

हरीश पर्वथानेनी ने हाल ही में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों के बारे में कहा, ये हमले नाविकों के लिए खतरा पैदा करते हैं, सप्लाई चेन को बाधित करते हैं और विकासशील देशों पर अधिक लागत और आर्थिक अनिश्चितता के रूप में बहुत बुरा असर डालते हैं।

यह चर्चा ऐसे समय में हुई जब ईरान की नौसेना ने बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) में तीन तेल टैंकर समुद्री बारूदी सुरंगों (सी माइन्स) से टकरा गए और उनमें आग लग गई। यह घटना समुद्री खतरों को उजागर करती है।

सुरक्षा को मजबूत बनाने का काम करेगा एआई

हरीश पर्वथानेनी ने कहा,एआई की मदद से सैटेलाइट तस्वीरों, रडार और जहाजों को ट्रैक करने वाले डेटा का विश्लेषण करके समुद्री क्षेत्र की बेहतर समझ बनाई जा सकती है और संदिग्ध गतिविधियों का पता लगाया जा सकता है। भारतीय राजदूत ने आगे कहा, भारत के पास स्थित इंफॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर-इंडियन ओशन रीजन यह दिखाता है कि समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने में आपसी सहयोग और जानकारी साझा करना कितना महत्वपूर्ण है। पर्वथानेनी ने आगे कहा, हमारा दृष्टिकोण सागर के विजन यानी क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास और समावेशी समुद्री सहयोग के प्रति हमारी व्यापक प्रतिबद्धता से प्रेरित है। भारतीय राजदूत ने आगे कहा, स्वायत्त प्रणालियों (ऑटोनॉमस सिस्टम्स) के बढ़ते इस्तेमाल से यह तय करना मुश्किल हो जाता है कि कोई घटना किसने की (जिम्मेदारी किसकी है), जवाबदेही किसकी होगी और कहीं अनजाने में स्थिति और न बिगड़ जाए। इसलिए, हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि उभरती तकनीकों को लागू करते समय उचित सुरक्षा उपाय हों, इंसानों की सार्थक निगरानी हो और जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय हों।

हांगकांग के नेता ने भीषण आग की घटना पर माफी मांगी, आवास मंत्री ने दिया इस्तीफा

हांगकांग , एजेंसी। हांगकांग के नेता जॉन ली ने शहर में दशकों की सबसे भीषण आग को लेकर बृहस्पतिवार को माफी मांगी और कहा कि इस मामले की जांच में नियामकीय निगरानी में कमी पाए जाने के बाद आवास मंत्री ने इस्तीफा दे दिया है। पिछले साल नवंबर में लगी भीषण आग ने उत्तरी उपनगरीय जिले में एक अपार्टमेंट परिसर की सात इमारतों को अपनी चपेट में ले लिया था।



इस घटना में 168 लोगों की मौत हो गई थी और हजारों अन्य लोगों को अपना घर छोड़ना पड़ा था। वांग फुक कोर्ट के कई पूर्व निवासी करीब एक साल से इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि सरकार इस त्रासदी के लिए जवाबदेही कैसे तय करेगी। इस घटना में उन्होंने अपने प्रियजनों और घरों को खो दिया था। हादसे के समय इमारतों में रखरखाव का काम चल रहा था। संवाददाता सम्मेलन की शुरुआत में ली और सात अन्य शीर्ष अधिकारियों ने माफी मांगी।

ली ने कहा कि आवास मंत्री विनी हो को राजनीतिक जिम्मेदारी लेनी चाहिए, हालांकि जांच में उनके किसी व्यक्तिगत कदाचार का पता नहीं चला। ली ने बताया कि विनी ने बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया। जांच के दौरान एक स्वतंत्र समिति ने पाया कि आवास ब्यूरो की स्वतंत्र जांच इकाई रखरखाव कार्य की निगरानी करने की अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही।

अमेरिका के ओरेगन हवाई अड्डे के पास हवा में टकराए दो हेलीकॉप्टर, 3 लोगों की मौत

वाशिंगटन, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम ओरेगन में गुरुवार दोपहर एक हवाई अड्डे के पास हवा में दो हेलीकॉप्टरों की टक्कर हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

यमहिल काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार, यह टक्कर पोर्टलैंड से लगभग 40 मील दक्षिण-पश्चिम में मैकमिनविले म्युनिसिपल एयरपोर्ट के पास स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 2:15 बजे हुई। स्थानीय पुलिस, दमकलकर्मी और चिकित्सा कर्मी सहित आपातकालीन बचाव दल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे।

मृतकों में कौन-कौन?

गुरुवार शाम एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान यमहिल काउंटी के शेरिफ सैम इलियट ने बताया कि एक हेलीकॉप्टर में दो लोग सवार थे, जिसमें टेक्सास के एक फ्लाइट इंस्ट्रक्टर और यूनाइटेड किंगडम के एक स्टूडेंट पायलट शामिल थे। शेरिफ ने बताया कि दूसरे हेलीकॉप्टर में केवल एक व्यक्ति सवार था, जो ओरेगन के न्यूबर्ग का एक पायलट था।

शेरिफ कार्यालय ने लोगों से अपील की है कि वे इस इलाके में जाने से बचें और इस गंभीर



घटना से निपटने के दौरान धैर्य बनाए रखें। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि इस टक्कर की जांच का नेतृत्व नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड कर रहा है और एफएए भी इस घटना की जांच कर रही है।

किस कंपनी का था हेलीकॉप्टर?

हादसे का शिकार हुए हेलीकॉप्टरों में से एक जेरी ट्रिम्बल हेलीकॉप्टर्स का था, जो एक फ्लाइट ट्रेनिंग स्कूल और निजी हेलीकॉप्टर रेंटल सर्विस है। कंपनी ने पुष्टि की है कि उनका एक विमान इस घटना में शामिल था।

कंपनी ने एक बयान में कहा, जेरी ट्रिम्बल हेलीकॉप्टर्स को यह बताते हुए गहरा दुख हो रहा है कि आज दोपहर हुई एक विमानन दुर्घटना में हमारा एक विमान शामिल था। हमारी संवेदनाएं इस घटना में शामिल लोगों, उनके परिवारों और इससे प्रभावित सभी लोगों के साथ हैं।

पाकिस्तान में भी छाया 'रामायण' का जादू, सड़कों पर गूंजे जय श्रीराम के नारे

इस्लामाबाद, एजेंसी। रणबीर कपूर की अपकमिंग फिल्म 'रामायण' को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। फिल्म की चर्चा अब भारत तक ही सीमित नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के हिंदू समुदाय के बीच भी इसे लेकर खास उत्सुकता नजर आ रही है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में कराची के कुछ लोग फिल्म के पोस्टर के साथ जश्न मनाते, ढोल-नगाड़ों पर झूमते और भगवान श्रीराम के जयकारे लगाते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में लोग फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना करते हुए इसकी पूरी टीम को शुभकामनाएं भी देते नजर आ रहे हैं।

कराची की सड़कों पर दिखा 'रामायण' का उत्साह: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म रेडिट पर शेयर किए गए वीडियो में कुछ पाकिस्तानी हिंदू फिल्म 'रामायण' का पोस्टर लेकर सड़कों पर निकलते दिखाई देते हैं। इस दौरान ढोल-नगाड़ों की धुन पर लोग खुशी जाहिर करते हैं और 'जय श्रीराम' के नारे लगाते हैं। वीडियो में महिलाएं 'मेरे घर राम आए हैं' भजन गाती और झूमती भी नजर आती हैं। वीडियो में एक महिला रणबीर कपूर की तारीफ करते हुए कहती हैं कि वह उनके पसंदीदा कलाकार हैं। साथ ही, वह कामना करती हैं कि भगवान श्रीराम की कृपा अभिनेता पर बनी रहे और फिल्म



सुपरहिट साबित हो। इस दौरान फिल्म की सफलता के लिए प्रार्थना भी की जाती है।

फिल्म को सुपरहिट के साथ ऑस्कर मिलने की भी कामना: वायरल वीडियो में फिल्म की पूरी स्टारकास्ट को शुभकामनाएं दी जा रही हैं। वीडियो बनाने वाला शख्स उम्मीद जताता है कि 'रामायण' न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करे, बल्कि ऑस्कर भी जीते। इसके बाद वहां मौजूद लोग 'सियावर रामचंद्र भगवान की जय' के जयकारे लगाते सुनाई देते हैं। वीडियो में कराची की सड़कों के दृश्य भी दिखाई देते हैं। इसमें कुछ लोग फिल्म का पोस्टर लेकर एक ऐतिहासिक मंदिर पहुंचते हैं और वहां पोस्टर लगाते नजर आते हैं। हालांकि, वीडियो में किए गए दावों और उसके स्थान की स्वतंत्र पुष्टि होना जरूरी है।

मंदिर के पुजारी ने भी फिल्म देखने की कही बात: वीडियो में मंदिर के पुजारी भी आने वाली 'रामायण' फिल्म का जिक्र करते हुए दिखाई देते हैं। वह कहते हैं कि दिवाली के मौके पर रिलीज होने वाली इस फिल्म को वे सभी देखेंगे। वीडियो के जरिए पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं की ओर से रणबीर कपूर और फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं दी गई हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है, जब भारतीय सिनेमा की बड़ी फिल्मों को लेकर विदेशों में रहने वाले दर्शकों के बीच भी उत्सुकता देखने को मिलती है। हालांकि, वायरल वीडियो के आधार पर पूरे पाकिस्तान के लोगों की राय का अनुमान नहीं लगाया जा सकता।

कब रिलीज होगी नितेश तिवारी की 'रामायण': नितेश तिवारी के निर्देशन में बन रही 'रामायण' भारतीय सिनेमा की सबसे चर्चित आगामी फिल्मों में शामिल है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, यश रावण और सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म में रवि दुबे समेत कई अन्य कलाकार भी अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं। रामायण 5 नवंबर को रिलीज होने के लिए एकदम तैयार है।

अमेरिका ने तीन मोर्चों पर चीन पर कसा शिकंजा

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एक हफ्ते के भीतर चीन के खिलाफ तीन मोर्चों पर कदम उठाए हैं। अमेरिका के प्रशांत क्षेत्र में चीनी यात्रियों के लिए वीजा-मुक्त यात्रा को खत्म कर दिया है, जबरन श्रम के मुद्दे पर चीन की प्रमुख जीनोमिक्स कंपनियों को ब्लैकलिस्ट कर दिया है और चीन द्वारा वित्तपोषित कैंपस सेंटरों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा करार दिया है। ये कदम अगले महीने चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की संभावित बैठक से पहले उठाए गए हैं। डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) ने बुधवार को चीन की तीन कंपनियों बीजीआइ जीनोमिक्स, एमजीआइ टेक और शेन्जेन बीजीआइ टेक्नोलाजी (जिन्हें सामूहिक रूप से बीजीआइ ग्रुप के नाम से भी जाना जाता है) को उइगर फोर्स्ड लेबर प्रिवेंशन एक्ट की एंटिटी लिस्ट में शामिल कर लिया है। डीएचएस ने बताया कि 29 अक्टूबर से, यूएस कस्टम्स एंड बार्डर प्रोटेक्शन यह मानकर चलेगा कि इन तीन कंपनियों द्वारा बनाए गए सामानों का अमेरिका में प्रवेश प्रतिबंधित है, जब तक कि यह गलत है इसे लेकर कोई ठोस सबूत न दिया जाए। इसके अलावा, 27 अक्टूबर को फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित एक डीएचएस नोटिस के जरिए कामनवेल्थ ऑफ द नार्दर्न मारियाना आइलैंड्स इकोनामिक वाइटैलिटी एंड सिक्योरिटी ट्रैवल आथराइजेशन प्रोग्राम को निलंबित कर दिया गया है। इसके तहत, पहले से जांचे-परखे चीनी नागरिकों को बिना वीजा के इन द्वीपों पर जाने की अनुमति थी। यह निलंबन 30 अक्टूबर को दोपहर दो बजे (स्थानीय समय) से लागू होगा और इसमें पहले से जारी की गई अनुमतियां भी शामिल होंगी। डीएचएस का मानना है कि चीनी नागरिक इस प्रोग्राम का गलत फायदा उठा रहे हैं। इसमें टिनियन और गुआम में सैन्य ठिकानों के पास जासूसी के जोखिम, गुआम में तस्करी और बर्थ टूरिज्म जैसी चिंताओं का हवाला दिया गया है। वित्तीय वर्ष 2025 में 3,000 से अधिक चीनी नागरिकों ने इस प्रोग्राम का इस्तेमाल किया था।

20 महीने तक लड़ी कानूनी लड़ाई, अमेरिका में महात्मा गांधी के पोते की 30 एकड़ जमीन मिली वापस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक अदालत में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पोते दिवंगत कानू गांधी और उनकी पत्नी शिवा गांधी की जमीन को लेकर विवाद चल रहा था, जो कि अब 20 महीने की कानूनी लड़ाई के बाद सुलझ गया है।

कानूगांधी परिवार की इस जमीन पर वर्जीनिया के एक निवासी का अवैध कब्जा था। वहीं अब अमेरिका की एक अदालत ने कानू गांधी परिवार के पक्ष में फैसला सुनाते हुए वर्जीनिया के शख्स को अवैध कब्जा हटाने का आदेश दिया है।

वापस मिली 30 एकड़ जमीन: महात्मा गांधी के पोते के पास वर्जीनिया की वॉरेन काउंटी में शेनांडोआ नेशनल पार्क से सटी 30 एकड़ जमीन थी। इसी जमीन को लेकर यह विवाद था। इस जमीन को गांधी दंपति ने 1987 में खरीदा था।

दक्षिण गुजरात में अपने जीवन के आखिरी



वर्षों के दौरान, उन्होंने एक चैरिटेबल ट्रस्ट बनाया और अपनी संपत्ति उसे सौंप दी। अब परिमल देसाई इसके मैनेजिंग ट्रस्टी हैं।

सूरत के परिमल देसाई के नेतृत्व में 20 महीने तक चली कानूनी लड़ाई के बाद यह फैसला आया है और वर्जीनिया में 30 एकड़ जमीन वापस गांधी परिवार को मिल गई है।

परिमल देसाई देख रहे कामकाज: कानू गांधी और शिवा गांधी 2013 में भारत लौट आए थे और उन्होंने अपने जीवन के आखिरी साल दक्षिण गुजरात में बिताए। नवंबर 2016 में सूरत में कानू गांधी का निधन हो गया। उनकी वसीयत के अनुसार, उनकी संपत्ति पत्नी शिवा गांधी को मिल गई।

2018 में, शिवा गांधी ने 'द डॉ. शिवा एंड कानू रामदास मोहनदास गांधी चैरिटेबल ट्रस्ट' की स्थापना की और अपनी वसीयत पंजीकृत कराई। 2020 में उनके निधन के बाद, वसीयत को लागू किया गया और देसाई ने मैनेजिंग ट्रस्टी के रूप में कार्यभार संभाला।

ट्रस्ट को उनकी संपत्तियां और वित्तीय परिसंपत्तियां प्राप्त हुईं, जिनका उपयोग चैरिटेबल कार्यों के लिए किया जाना था।

कैसे जीता मुकदमा?: टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, परिमल देसाई ने बताया, इसकी शुरुआत तब हुई जब अमेरिकी नागरिक ग्रेगरी ब्लैक ने 10 जनवरी 2025 को मेरे घर पर एक कानूनी नोटिस भेजा।

परिमल देसाई ने आगे कहा, ब्लैक ने वर्जीनिया के एडवर्स पजेशन (प्रतिकूल कब्जे) नियम के तहत जमीन पर अपना दावा जताया। इस नियम के अनुसार, अगर पांच शर्तें पूरी होती हैं, तो कोई व्यक्ति 15 साल तक जमीन पर कब्जा रखने के बाद उसका मालिक बन सकता है। हालांकि, वह जमीन पर अपना अनन्य और वास्तविक कब्जा तथा प्रतिकूल दावा साबित करने में नाकाम रहा।

देसाई ने बताया, जब मुझे वर्जीनिया की इस जमीन के बारे में पता चला, तो मैं 2024 में वहां गया और सर्वे करवाया। अगर ट्रस्ट को इस जमीन के साथ कुछ भी करना था, तो इसका ट्रस्ट के कब्जे में होना जरूरी था। मैंने 2025 में अमेरिकी अदालत से वसीयत को प्रमाणित (प्रोबेट) कराया और जमीन का मालिकाना हक ट्रस्ट के नाम करवा लिया।

देसाई ने बताया, इस मामले को जीतने के लिए मैंने अमेरिका में वकील रखे और भारत से भी काम किया। मैंने इस दावे का मुकाबला करने के तरीके खोजने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल किया। 8 से 11 सितंबर तक चली अंतिम सुनवाई के दौरान, मैंने अदालत को बताया कि कानू गांधी, महात्मा गांधी के पोते थे। उन्होंने और उनकी पत्नी ने यह संपत्ति ट्रस्ट को दान कर दी थी, जिसका उद्देश्य गांधीवादी विचारों का प्रचार-प्रसार करना है।

देसाई ने आगे कहा, हम लढ्ढस मैप्स के जरिए यह साबित कर सके कि वह केबिन वहां 15 सालों से मौजूद नहीं था। 2020 के बाद मैं खुद भी कई बार वहां गया, जिससे उसका यह दावा गलत साबित हो गया कि वह वास्तव में वहां काबिज था। हमें वहां एक और महिला भी मिली जो उस जमीन पर रह रही थी, जिससे ब्लैक का यह दावा भी झूठा साबित हो गया कि वहां केवल उसी का कब्जा था।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए भारत की वनडे टीम में हुआ बदलाव

आकिब नबी को मिली जगह



बीसीसीआई ने जारी किया प्रेस रिलीज -

बीसीसीआई की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, मेंस सेलेक्शन कमिटी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के शुरुआती तीन मैचों के लिए भी तेज गेंदबाज आकिब नबी को टीम में शामिल कर लिया है। दाएं हाथ के यह तेज गेंदबाज पहले सिर्फ सीरीज के चौथे और पांचवें वनडे के लिए टीम में चुना गया था, लेकिन अब वह पूरी वनडे सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा बन गए हैं। प्रसिद्ध कृष्णा चोट की वजह से इस वनडे सीरीज में नहीं खेल पाएंगे।

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम में एक बार फिर बदलाव किया गया है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा के चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए हैं और अब उनके रिप्लेसमेंट का भी ऐलान कर दिया गया है। बीसीसीआई ने तेज गेंदबाज आकिब नबी को शुरुआती तीन वनडे मैचों के लिए भी टीम में शामिल कर लिया है। पहले आकिब नबी को सिर्फ आखिरी के दो मुकाबलों के लिए ही चुना गया था, लेकिन अब कृष्णा के बाहर के बाद उन्हें पूरी सीरीज के स्क्वॉड में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने 31 अक्टूबर को इस बात की आधिकारिक जानकारी दी।

आकिब नबी वनडे में कर चुके हैं डेब्यू - आकिब नबी पहले ही भारत के लिए वनडे फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्हें वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में खेले गए मैच में मौका मिला था, जहां वे कोई विकेट नहीं ले पाए और काफी महंगे साबित हुए थे। उस मैच में उन्होंने 84 रन लुटाए थे। जम्मू-कश्मीर के रहने वाले आकिब ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया है, और इसी दम पर उन्हें एक बार फिर टीम में जगह मिली है। उन्होंने पिछले साल जम्मू की टीम को रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

टीम इंडिया को यूएई ने हराया, 26 गेंदों में चेज किया 95 रन का टारगेट

टूर्नामेंट से हुई बाहर



हांगकांग । हांगकांग सिक्सेस 2026 में भारतीय टीम का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा। पाकिस्तान से हारने के बाद उम्मीद थी कि टीम इंडिया यूएई को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। भारत को यूएई के खिलाफ भी करारी हार का सामना करना पड़ा और टीम टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यूएई के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 6 विकेट पर 94 रन बनाए, जिसमें टी. नटराजन ने 14 गेंदों पर 3 चौकों और 4 छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 38 रन बनाए। वहीं शशांक सिंह, नीतीश राणा और कप्तान क्रुणाल पांड्या जैसे बल्लेबाज कुछ खास नहीं कर सके। राहुल त्रिपाठी ने 7 गेंदों पर 21 रनों की तेज पारी खेली।

26 गेंदों में यूएई ने चेज किया टारगेट - जवाब में यूएई की टीम ने इस लक्ष्य को बिना कोई विकेट गंवाए बहुत आसानी से हासिल कर लिया। 95 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई की टीम ने सिर्फ 26 गेंदों में ही मैच अपने नाम कर लिया।

सिंधु और अनमोल के बीच सेमीफाइनल मुकाबला



जर्मनी। हाइलो ओपन 2026 में भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और युवा शटलर अनमोल खरब ने महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों की जीत के साथ अब सेमीफाइनल में ऑल-इंडियन मुकाबला तय हो गया है। वहीं पुरुष एकल में लक्ष्य सेन ने भी शानदार वापसी करते हुए अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी और दूसरी वरीयता प्राप्त पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को लगातार दो गेम में 21-12, 21-10 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।



टेस्ट में कगिसो रबाडा का ऐतिहासिक मुकाम

सबसे तेज 350 विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बने



केपटाउन । साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के बीच में खेली जा रही तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का तीसरा और आखिरी मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले के पांचवें दिन के खेल में मेजबान अफ्रीकी टीम के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा एक ऐतिहासिक कारनामा अपने नाम दर्ज कराने में कामयाब हो गए। केपटाउन टेस्ट के चौथे दिन का खेल खत्म होने पर साउथ अफ्रीका की टीम अपनी दूसरी पारी में 387 रन बनाकर सिमट गई थी, जिसके साथ ऑस्ट्रेलिया को पांचवें दिन के खेल में अपनी दूसरी पारी में जीत के लिए 288 रनों का टारगेट मिला लेकिन पहले ही सेशन में उनकी शुरुआत काफी खराब रही जिसमें रबाडा ने पहले दो झटके देने के साथ ही जैसे ही ट्रैविस हेड के रूप में अपना तीसरा विकेट हासिल किया वह टेस्ट में अपने 350 विकेट पूरे करने में कामयाब हो गए, जिसके साथ ही इस तेज गेंदबाज ने अपने ही हमवतन खिलाड़ी डेल स्टेन का एक बड़ा रिकॉर्ड भी तोड़ने में कामयाबी हासिल की।

सबसे कम गेंदों में 350 विकेट पूरे करने वाले बने रबाडा तेज गेंदबाज

केपटाउन टेस्ट में कगिसो रबाडा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहली पारी में अपनी गेंद से कमाल दिखाने में कामयाब नहीं हो सके थे, जिसमें उनके खाते में सिर्फ एक विकेट आया था। वहीं उन्होंने कंगारू टीम की दूसरी पारी में शानदार वापसी करने के साथ पहले तीन विकेट काफी जल्दी पांचवें दिन के खेल में हासिल कर लिए। रबाडा अब टेस्ट क्रिकेट में सबसे कम गेंदों में 350 विकेट का आंकड़ा पूरा करने वाले तेज गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड साउथ अफ्रीका के ही पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन के नाम पर था, जिन्होंने 14719 गेंदों में यह कारनामा किया था। वहीं कगिसो रबाडा 13808 गेंदों में 350 टेस्ट विकेट पूरा करने में कामयाब हो गए।

टेस्ट में सबसे कम गेंदों में 350 विकेट पूरे करने वाले तेज गेंदबाज

- कगिसो रबाडा (साउथ अफ्रीका) - 13808 गेंद
- डेल स्टेन (साउथ अफ्रीका) - 14719 गेंद
- वकार यूनिस (पाकिस्तान) - 14905 गेंद
- मैलकम मार्शल (वेस्टइंडीज) - 16285 गेंद
- मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया) - 16908 गेंद

रबाडा ने 75वें टेस्ट में पूरे किए अपने 350 विकेट

कगिसो रबाडा ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट का आंकड़ा 75वें मुकाबले में पूरा किया, जिसमें वह इस मामले में संयुक्त रूप से मैलकम मार्शल के साथ चौथे तेज गेंदबाज बने हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर संयुक्त रूप से रिचर्ड हेडली और डेल स्टेन का नाम है, जिसमें दोनों ने 69 टेस्ट में यह कारनामा किया था, जबकि दूसरे नंबर पर 70 टेस्ट के साथ डेनिस लिली तो वहीं तीसरे नंबर पर 74 टेस्ट के साथ ग्लेन मैक्ग्रा का नाम है। रबाडा टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा पूरा करने वाले साउथ अफ्रीका के लिए अब तक के सिर्फ चौथे गेंदबाज हैं, जिसमें उनसे पहले डेल स्टेन, शॉन पोलाक और मखाया एनटिनी यह कारनामा कर चुके हैं।

भारतीय टीम को WTC प्वाइंट्स टेबल में बांग्लादेश की हार से मिला फायदा

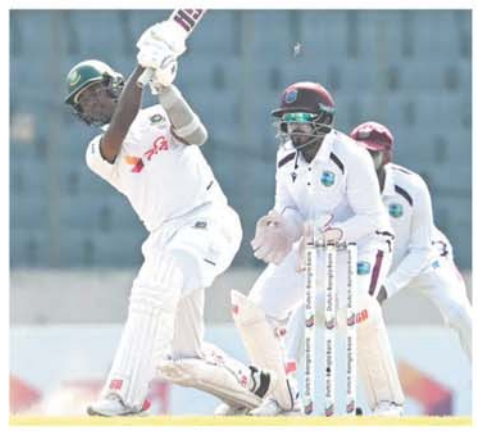

ढाका । बांग्लादेश की टीम अपने घर पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज खेल रही है जो मौजूदा वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 के साइकल का भी हिस्सा है। दोनों टीमों के बीच में टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में खेला गया और इसमें मेजबान बांग्लादेश की टीम को 8 विकेट से एकतरफा हार का सामना करना पड़ा। वेस्टइंडीज की जीत के साथ इसका सीधा फायदा भारतीय क्रिकेट टीम को WTC 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में मिला जिसमें अब टीम इंडिया पांचवें पायदान से एक स्थान ऊपर चौथे नंबर पर पहुंच गई है और उसके लिए अब फाइनल में अपनी जगह बनाने का रास्ता थोड़ा आसान हो गया है।

बांग्लादेश को हार से हुआ नुकसान, टीम इंडिया 5वें नंबर पर पहुंची - वेस्टइंडीज की टीम को पहले टेस्ट मैच की चौथी पारी में ढाका के मैदान पर जीत हासिल करने के लिए 170 रनों का टारगेट मिला था, जिसको वह 2 विकेट के नुकसान पर आसानी से हासिल करने में कामयाब हो गए, जिसमें ब्रैंडन किंग ने 81 तो वहीं जॉन कैम्पबेल ने 49 रनों की अहम पारी खेली। बांग्लादेश को मिली इस मैच में हार के बाद अब वह WTC 2025-27 की प्वाइंट्स टेबल में 5वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जिसमें उनके कुल अंक प्रतिशत 55.56 से घटकर अब 47.62 हो गए हैं।

ध्रुव जुरेल ने बचाई टीम इंडिया की लाज

99 रन बनाकर नाबाद लौटे, टीम इंडिया का स्कोर 291/7



नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा अनऑफिशियल टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मैच में पहले दिन का खेल खत्म हो चुका है। पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल 99 रन बनाकर नाबाद लौटे। मैच की शुरुआत में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बिना एक भी रन बनाए आउट होकर पवेलियन लौट गए। वह पारी के पहले ही ओवर में आउट हो गए थे।

सुदर्शन और पडिक्कल के बीच हुई 91 रनों की साझेदारी

पहला विकेट जल्दी गिरने के बाद साई सुदर्शन और देवदत्त पडिक्कल ने मिलकर दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की शानदार साझेदारी की, जिसमें सुदर्शन 41 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद पड्डिकल ने यश राठौड़ के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़े और टीम के स्कोर को 131 रन तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर यश राठौड़ तीसरे विकेट के रूप में 13 रन बनाकर आउट हो गए। देवदत्त पडिक्कल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 140 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 80 रनों की बेहतरीन पारी खेली। वह 137 के स्कोर पर चौथे विकेट के रूप में आउट हुए। उनके आउट होने के तुरंत बाद स्मरण रविचंद्रन भी बिना खाता खोले शून्य पर पवेलियन लौट गए, और वाशिंगटन सुंदर भी सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हो गए।

- **ध्रुव जुरेल ने टीम इंडिया को संकट से निकाला बाहर** - एक समय 160 रन पर अपने 6 विकेट गंवाकर भारतीय टीम मुश्किल में थी, तब कप्तान ध्रुव जुरेल ने क्रीज पर टिककर पारी को संभाला। जुरेल ने मानव सुथार के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 62 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी की, जिससे टीम का स्कोर 222 रन तक पहुंच गया। सुथार 22 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान ध्रुव जुरेल और आकाशदीप (25 रन) ने मिलकर अब तक नाबाद 69 रनों की शानदार साझेदारी कर ली है, जिससे टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई है।

99 रन बनाकर नाबाद लौटे जुरेल

पहले दिन का खेल खत्म होने तक भारतीय टीम ने 7 विकेट के नुकसान पर 291 रन बना लिए हैं। कप्तान ध्रुव जुरेल अपने शतक से सिर्फ 1 रन दूर हैं और वह 155 गेंदों पर 11 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 99 रन बनाकर नाबाद खेल रहे हैं। अब वह दूसरे दिन शतक पूरा करने के इरादे से मैदान पर उतरेंगे। वहीं, न्यूजीलैंड की गेंदबाजी की बात करें तो फ्रेजर शेट ने सबसे ज्यादा 4 विकेट चटकाए, जबकि ब्रेट रैंडेल, जारोड मैके और जेडन लेनोक्स को एक-एक विकेट मिला।

युवराज सिंह की चयनकर्ताओं को बड़ी सलाह

अभिषेक-वैभव को वनडे में मौका नहीं मिला तो होगी बड़ी नाइंसाफी



नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज ऑलराउंडर युवराज सिंह ने युवा बल्लेबाजों को लेकर बड़ा बयान दिया है। युवराज चाहते हैं कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन को वनडे क्रिकेट में भी नियमित मौके मिलने चाहिए। उनका मानना है कि इन खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए उन्हें 50 ओवर के फॉर्मेट से दूर रखना सही नहीं है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह का मानना है कि अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को वनडे क्रिकेट में भी खेलने का मौका मिलना चाहिए। युवराज लंबे समय से अभिषेक को मार्गदर्शन देते रहे हैं और उनकी बल्लेबाजी को करीब से समझते हैं। उन्होंने साफ कहा कि इन खिलाड़ियों को 50 ओवर के फॉर्मेट में मौका नहीं देना उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी होगी। युवराज सिंह ने पीटीआई से बातचीत में कहा, 'मैं ईमानदारी से अभिषेक को वनडे क्रिकेट में खेलते हुए देखना चाहूंगा। मैं पहले भी कह चुका हूं कि अगर हम ईशान किशन, अभिषेक और वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों को 50 ओवर के क्रिकेट में नहीं चुनते हैं, तो कहीं न कहीं हम उनकी प्रतिभा के साथ नाइंसाफी कर रहे हैं।' युवराज ने आगे कहा, 'मैं समझता हूं कि हमारे पास कुछ बेहतरीन खिलाड़ी हैं और उनके लिए टीम में जगह बनाना मुश्किल है। लेकिन जिस तरह ये युवा बल्लेबाज प्रदर्शन कर रहे हैं, उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही टीम में जगह मिलनी चाहिए। अभिषेक ने जो कुछ हासिल किया है, वह उनकी कड़ी मेहनत का नतीजा है और इसका पूरा श्रेय उन्हें ही जाता है।

तीनों खिलाड़ियों ने दिखाई है अपनी ताकत

अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और वैभव सूर्यवंशी ने टी20 क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खास पहचान बनाई है। ईशान किशन ने 2026 टी20 वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत में अहम योगदान दिया था। वहीं अभिषेक अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से लगातार प्रभावित कर रहे हैं। दूसरी ओर युवा वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही बड़े-बड़े गेंदबाजों के खिलाफ बेखौफ बल्लेबाजी करके सुर्खियां बटोरी हैं।

ईशान की वनडे टीम में हो चुकी है वापसी

ईशान किशन की वनडे टीम में वापसी कुछ महीने पहले हुई थी। उन्होंने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में हिस्सा लिया था। लखनऊ में खेले गए वनडे मुकाबले में ईशान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 125 रनों की विस्फोटक पारी खेली थी। हालांकि, इंग्लैंड के खिलाफ दो मुकाबलों में वह बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं रहे थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी पांच मैचों की वनडे सीरीज के लिए भी ईशान किशन भारतीय टीम का हिस्सा हैं।

वैभव सूर्यवंशी टीम में जगह पक्की करने के लिए बॉलिंग स्किल्स पर कर रहे हैं काम



बॉलिंग कोच ने किया खुलासा

नई दिल्ली । भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथे टी20 मैच से पहले ही इस बात की चर्चा होने लगी थी कि 15 साल के युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जा सकता है। उनके अंदर टैलेंट की कोई कमी नहीं है, लेकिन टीम में कड़ी टक्कर के चलते उन्हें लगातार मौका नहीं मिल पा रहा है। हालांकि ईशान किशन के चोटिल होने पर उन्हें दूसरे और तीसरे टी20 में खेलने का मौका मिला था। वेलिंग्टन में खेले गए तीसरे मैच में तो उन्होंने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर सिर्फ 6 ओवरों में ही 100 से ज्यादा रन जोड़ दिए थे। इतने धमाकेदार प्रदर्शन के बावजूद उन्हें अगले मैच से ड्रॉप होना पड़ा।

वैभव सूर्यवंशी को लेकर साईराज बहुतुले ने किया बड़ा खुलासा

अब वैभव टीम में अपनी परमानेंट जगह बनाने के लिए पक्की करने के लिए एक नई स्किल पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं, जिसका खुलासा मैच के बाद स्पिन बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले ने किया है। भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतुले ने बताया है कि युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी फिलहाल चुपचाप अपनी गेंदबाजी पर कड़ी मेहनत कर रहे हैं। वह हर दिन अपनी इस स्किल को बेहतर बनाने में जुटे हुए हैं और इसे लेकर पूरी तरह गंभीर भी हैं।

वैभव अपने बॉलिंग को लेकर बहुत सीरियस है- साईराज बहुतुले

साईराज बहुतुले ने मैच के बाद कहा कि मुझे लगता है कि अभी भी कुछ समय और लगेगा। निश्चित रूप से वह अपनी बॉलिंग को लेकर बहुत उत्सुक है। वह बॉलिंग के मामले में अपना रूटीन वर्क करता है। हम उसके लिए ज्यादा से ज्यादा मौके बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन आखिर में हमारे पास कुछ अनुभवी खिलाड़ी भी हैं, जिन्हें उनका हक मिलेगा। लेकिन जब बॉलिंग की बात आती है, तो मुझे लगता है कि वह बहुत उत्सुक है। अगर वह अ20 में एक या दो ओवर डाल सकता है तो टीम के लिए काफी अच्छा होगा। लेकिन पर्दे के पीछे, वह इस दिशा में काम कर रहे हैं, और वह अपनी बॉलिंग को लेकर बहुत सीरियस हैं। क्राइस्टचर्च के हेग्ले ओवल स्टेडियम में खेले गए चौथे टी20 मैच में टीम इंडिया को 87 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 259 रन बनाए थे। जवाब में टीम इंडिया 20 ओवर बैटिंग करने के बाद 9 विकेट के सिर्फ 172 रन ही बना सकी।

सीमित संसाधनों के बीच तराशा हीरा: छत्तीसगढ़ हॉकी लीग में बारगांव के किसान का बेटा ढालेश्वर यादव बना बैलाडीला बुल्स की 'दीवार'

मूक पत्रिका



बेमेतरा। छत्तीसगढ़ की पहली और सबसे बड़ी हॉकी लीग (ष्ठारु) में ग्रामीण अंचल के एक होनहार खिलाड़ी ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है एक छोटे से गांव बारगांव के एक साधारण किसान परिवार के बेटे ढालेश्वर यादव ने बैलाडीला बुल्स टीम की ओर से खेलते हुए मैदान पर शानदार गोलकीपिंग करते अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर वे पूरी लीग में अपनी टीम के लिए अभेद्य 'दीवार' बनकर उभरे हैं और अपनी खेल कला से सभी खेल प्रेमियों को प्रभावित किया है।

कड़े संघर्ष और सीमित संसाधनों से शिखर तक का सफ़र-ढालेश्वर यादव का यह मुकाम कड़ी मेहनत और अटूट लगन का परिणाम है, वे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारगांव से लगे खेल मैदान में रोजाना सुबह और शाम हॉकी का कड़ा अभ्यास करते थे ग्रामीण स्तर पर संसाधनों की भारी कमी होने के बावजूद,ढालेश्वर के खेल के प्रति समर्पण और उनके कोच तुलसी साहू के कुशल नेतृत्व ने इस बाधा को आड़े नहीं आने दिया कोच की सही रणनीति, कड़े अनुशासन और खिलाड़ी के जुनून ने मिलकर इस ग्रामीण प्रतिभा को राष्ट्रीय स्तर के मंच तक पहुँचाया ।

कोच तुलसी साहू का मार्गदर्शक विजन-ढालेश्वर की इस ऐतिहासिक सफलता में उनके कोच तुलसी साहू का सबसे अहम योगदान रहा है,सीमित संसाधनों के बीच ग्रासरूट स्तर (जमीनी स्तर) के मैदान से एक खिलाड़ी को तराश कर राष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना कोच की कड़ी मेहनत और दूरदर्शिता को बयां करता है उनकी उच्च स्तरीय ट्रेनिंग और रणनीतियों ने ढालेश्वर की खेल प्रतिभा को निखारने में मुख्य भूमिका निभाई ।

हॉकी अकादमी में ले रहे है प्रशिक्षण-वर्तमान में ढालेश्वर अपनी खेल बारीकियों को और मजबूत करने के लिए रायपुर स्थित आवासीय हॉकी खेल अकादमी में रहकर विशेष प्रशिक्षण ले रहे हैं।

राज्य स्तर पर लहरा चुके हैं परचम-यह पहली बार नहीं है जब ढालेश्वर ने अपनी खेल प्रतिभा से सबको चौंकाया है इससे पहले राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भी उनका प्रदर्शन स्वर्णिम रहा है उन्होंने राजनांदगांव में आयोजित 24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता (2024) में उत्कृष्ट खेल की बदौलत प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता था वहीं, इसके पिछले वर्ष 23वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा हॉकी प्रतियोगिता (2023) में उन्होंने द्वितीय स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम किया था।

किसान पिता का सपना बेटे ने किया साकार-बारगांव के रहने वाले देवचरण यादव एक साधारण कृषक हैं और उनकी माता एक गृहणी हैं अपने बेटे को हॉकी की इतनी बड़ी राष्ट्रीय स्तर की लीग में खेलते देखना इस किसान दंपत्ति का एक बड़ा सपना था आज बेटे ढालेश्वर ने अपनी ईमानदारी, कड़ी मेहनत और खेल के प्रति अपनी निष्ठा से माता-पिता के इस सुनहरे सपने को हकीकत में बदल दिया है उनकी इस सफलता पर पूरे क्षेत्र और खेल प्रेमियों में हर्ष का माहौल है।

प्रतिभा किसी सुख - सुविधा की मोहताज नहीं होती-इस अवसर पर व्यायाम शिक्षिका व कोच तुलसी साहू ने कहा कि ढालेश्वर की यह सफलता उसकी कड़ी मेहनत, अटूट लगन और खेल के प्रति बेपनाह जुनून का परिणाम है,ग्रामीण स्तर पर संसाधनों की कमी के बावजूद उसने कभी अपनी हिम्मत कम नहीं होने दी, सुबह और शाम मैदान पर पसीना बहाकर उनसे साबित कर दिया कि प्रतिभा किसी सुख - सुविधा की मोहताज नहीं होती एक कोच के रूप में उसे जमीनी स्तर से तराश कर इस मुकाम तक पहुँचते देखना मेरे लिए अत्यंत गौरवशाली है,मुझे पूरा विश्वास है कि वह आने वाले समय में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेगा।

बेमेतरा में सजेगा छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 का भव्य मंच, लोकगायिका अल्का चंद्राकर बिखेरेंगी सुरों का जादू

मूक पत्रिका



बेमेतरा 1 नवम्बर 2026/छत्तीसगढ़ शासन द्वारा ÷छत्तीसगढ़ राज्योत्सव 2026 - सशक्त नारी, युवा उड़ान÷ के अंतर्गत जिले में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा 2 नवंबर 2026, सोमवार को बेसिक स्कूल मैदान, बेमेतरा में शाम 6 बजे से राज्योत्सव का आगाज होगा। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध लोकगायिका सुश्री अल्का चंद्राकर अपनी सुरीली आवाज से सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगी। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा, संगीत और विकास पर आधारित विभिन्न प्रस्तुतियां होंगी। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने जिलेवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस उत्सव को सफल बनाएं।

मीडिया कर्मियों के लिए स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा योजना, योजना के प्रारूप पर आज से सुझाव आमंत्रित, एक से 30 नवंबर तक ईमेल से भेज सकेंगे सुझाव

मूक पत्रिका

रायपुर/ छत्तीसगढ़ में कार्यरत मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन ने पहल की है। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजनाङ्क2026' का प्रारूप तैयार किया गया है। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन के संबंध में एक से 30 नवंबर 2026 तक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं। तैयार प्रारूप को जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट 222.स्रश्चह्म्द्द.द्दश1.द्बठु पर प्रकाशित कर सुझाव लिया जा रहा है। मीडियाकर्मी योजना के प्रारूप और इसके क्रियान्वयन के संबंध में अपने सुझाव ईमेल chhattisgarhmediakarmi@gmail.com पर भेज सकते हैं। सुझाव भेजने के लिए एक माह की अवधि प्रस्तावित की गई है।

दो बैठकों में सिमटा जनपद, 93 पंचायतों का विकास किसके भरोसे?

अपने ही दल के जनपद सदस्यों से तालमेल पर सवाल, कांग्रेस समर्थित जनपद सदस्य लालेंद्र बाकड़े ने अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर उठाई उंगली

मूक पत्रिका



पवन कुमार नाग -बकावंड। बकावंड जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल खड़े होने लगे हैं। विकासखंड की 93 ग्राम पंचायतों के विकास और ग्रामीण समस्याओं के निराकरण की जिम्मेदारी संभालने वाली जनपद पंचायत में नियमित बैठकें आयोजित नहीं होने का मामला अब चर्चा का विषय बन गया है। कांग्रेस समर्थित क्षेत्रीय जनपद सदस्य लालेंद्र बाकड़े ने जनपद पंचायत के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब तक केवल दो बार ही बैठक आयोजित हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि जब विकास कार्यों की समीक्षा के लिए बैठकें ही नियमित नहीं होंगी, तो ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान कैसे होगा?बाकड़े का कहना है कि जनपद पंचायत में कुल 25 निर्वाचित सदस्य हैं। प्रत्येक सदस्य अपने क्षेत्र की सड़क, पेयजल, आवास और मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को सदन में रखना चाहता है। लेकिन बैठकें नियमित नहीं होने से जनप्रतिनिधियों को अपनी बात रखने और विकास कार्यों की समीक्षा कराने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहा है।

अपने ही दल के सदस्यों से तालमेल पर सवाल! इस पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल जनपद पंचायत के आंतरिक समन्वय को लेकर उठ रहा है। जब अध्यक्ष और उपाध्यक्ष अपने ही दल के जनपद सदस्यों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित नहीं कर पा रहे हैं, तो विपक्ष के जनप्रतिनिधियों की समस्याओं और मांगों को कितनी प्राथमिकता मिलती होगी? क्या जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली में सभी निर्वाचित सदस्यों को समान अवसर मिल रहा है?जनपद पंचायत किसी एक राजनीतिक दल की संस्था नहीं, बल्कि सभी 93 ग्राम पंचायतों का. और ग्रामीण जनता के.

मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा द्वारा छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस मनाया गया

किसान भवन में गूंजा,, अरपा पैरी धार, महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

मूक पत्रिका



बेमेतरा। मां भद्रकाली जिला मानस संघ बेमेतरा के तत्वावधान में 01 नवंबर 2026 को किसान भवन, बेमेतरा में छत्तीसगढ़ की 26 वा स्थापना दिवस हर्षोल्लास साथ मनाया गया। इस अवसर पर संघ की महत्वपूर्ण बैठक भी आयोजित की गई। सर्व प्रथम छ ग महतारी के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित करके 26 वर्ष गांठ के अवसर पर छ ग महतारी के ऊपर गीत कविता एवं मानस में छ ग पर विस्तृत चिंतन प्रस्तुत किया गया पश्चात -बैठक में संघ के संगठनात्मक विषयों, आगामी कार्यक्रमों एवं मानस मंडलियों के प्रस्तुति को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक के प्रमुख एजेंडों में व्याख्यान माला एवं वार्षिक उत्सव के आयोजन, आय-व्यय की जानकारी, तहसीलवार गठित मानस शक्ति केंद्रों की प्रगति की समीक्षा, 11 नवंबर 2026 तक सभी तहसीलों से मानस शक्ति केंद्रों की अद्यतन सूची सचिव के पास जमा कराने तथा संघ के आगामी सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजनों की रूपरेखा तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषय पर निर्णय लिया गया . इस अवसर पर संघ के अध्यक्ष **श्री देवलाल सिन्हा*ने कहा छ ग प्रभु श्री राम का नौनिहाल है जहां मामा भांजा की परम्परा निरंतर चली आ रही है जो संस्कृति संवर्धन में प्रेम एवं सौहार्द की परम्परा प्रेरित करता है मानस जीवन जीने की अमूल्य कुंजी है जिसका अध्ययन कर मनुष्य जीवन सार्थक कर सकता है इस अवसर पर सचिव *श्री छगन लाल साहू*, कोषाध्यक्ष **श्री विष्णु साहू*शिव साहू संरक्षक उपाध्यक्ष श्री माखन लाल साहू, श्री डुमन लाल साहू, श्री ओंकार चंद्राकर एवं विधिक सलाहकार श्री जलेश्वर मानिकपुरी सहित संघ के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

उपस्थित सदस्यगणों में श्री नरेन्द्र जायसवाल, श्री महेश कुमार साहू, श्री बिहारी लाल यदु, श्री राजकुमार ताम्रकार, श्री लखन वर्मा, श्री राजेश वैष्णव, श्री महेंद्र सिंह चौहान, श्री उभय राम साहू, श्री मंतराम साहू, श्रीमती रूखमणी साहू, श्रीमती सोनी साहू, श्रीमती तारणी साहू, श्रीमती मीनाक्षी साहू, श्रीमती रमा साहू, श्रीमती बीना साहू, श्रीमती कल्याणी सेन, श्रीमती लता साहू, श्री बिहारी साहू, श्री जनक राम साहू, श्री सीताराम यदु, श्री सनत साहू, श्री चूरामन लाल साहू, डॉ. ललित साहू, श्री सालिक राम साहू, श्री प्रकाश साहू, श्री सुरेश कुमार रावत, श्री चेतन साहू एवं श्री लोकेंद्र सेन नोहर दास मानिकपुरी सहित अधिक संख्या में मानस मंडली के सदस्य एवं पदाधिकारी उपस्थित थे बैठक में संगठन की मजबूती, आपसी समन्वय एवं मानस परंपरा के प्रचार-प्रसार के साथ छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत को आगे बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया।

सेवा सेतु पोर्टल से अब ऑनलाइन जारी होंगे विद्यार्थियों के स्थानांतरण प्रमाण पत्र

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देश पर प्राचार्यों एवं संकुल प्रभारियों को दिया गया प्रशिक्षण, लंबित बायोमेट्रिक अपडेट शीघ्र पूरा करने के निर्देश

मूक पत्रिका



बेमेतरा - शिक्षा व्यवस्था में डिजिटल सुविधाओं के विस्तार की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के निर्देशानुसार बीते दिवस कलेक्ट्रेट के दिशा सभा कक्ष में अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (स्रक्क) एवं सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन स्थानांतरण प्रमाण पत्र (ञ्जष्ट) जारी करने की प्रक्रिया को लेकर जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिले के विभिन्न शासकीय विद्यालयों के प्राचार्य एवं संकुल प्रभारी शामिल हुए।जिला शिक्षा अधिकारी अभय जायसवाल ने बताया कि सभी संकुलों में स्रक्क के लिए आधार ऑपरेटरों द्वारा कैंप लगाया जा रहा है। सभी संकुल प्रभारी और आधार ऑपरेटर आपसी समन्वय से कैंप को सफल बनाएं। उन्होंने प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों को कैंप स्थल पर विद्युत, बैठक व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।शिक्षा विभाग के प्रोग्रामर श्री निहिल वर्मा ने 5 से 7 वर्ष एवं 15 से 17 वर्ष के स्कूली छात्र-छात्राओं के लंबित स्रक्क की संकुलवार एवं विद्यालयवार स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने लंबित प्रकरणों को प्राथमिकता से निराकृत कर यू-डाइस पोर्टल पर नियमित अपडेट करने के निर्देश दिए।ई-जिला प्रबंधक महेन्द्र कुमार वर्मा ने सेवा सेतु पोर्टल पर ऑनलाइन टीसी जारी करने की संपूर्ण प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब विद्यार्थियों को टीसी के लिए सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिलेगी। इस दौरान ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया, डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट (ष्ठस्ष्ट) तैयार करने, ष्ठस्ष्ट के माध्यम से ऑनलाइन अनुमोदन एवं तकनीकी समस्याओं के समाधान के संबंध में विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन टीसी के लिए विद्यार्थी का आधार कार्ड, पालक का आधार कार्ड, अंतिम वर्ष की अंकसूची एवं पालक सहमति पत्र सहित निर्धारित दस्तावेज आवश्यक होंगे।इस डिजिटल पहल से विद्यार्थियों एवं पालकों को टीसी के लिए विद्यालय या कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। ऑनलाइन व्यवस्था से प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और समयबद्ध होगी, जिससे दूसरे विद्यालय में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को विशेष लाभ मिलेगा।

चार सूत्रीय मांगों को लेकर पटवारी संघ की अनिश्चितकालीन हड़ताल, राजस्व कार्यों पर पड़ सकता है असर

मूक पत्रिका





पवनकुमार नाग-बस्तर। अपनी लंबित मांगों और विभागीय समस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर राजस्व पटवारी संघ छत्तीसगढ़, जिला बस्तर के पटवारी 12 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ ने चार सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन शुरू किया है। पटवारियों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर शासन स्तर से सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।संघ की प्रमुख मांगों में पीवी (ञ्ज्ञ) ऐप में कार्य नहीं करने तथा इसके स्थान पर भुइयां पोर्टल में मैनुअल फसल गिरदावरी का विकल्प तत्काल उपलब्ध कराने की मांग शामिल है। इसके अलावा दमनकारी स्थानांतरण की कार्रवाई को निःशर्त वापस लेने, 1 अप्रैल 2017 से लंबित वेतन विसंगति एवं ग्रेड-पे संबंधी समस्याओं का तत्काल निराकरण करने तथा राजस्व निरीक्षक पदोन्नति की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने की मांग उठाई गई है।पटवारी संघ का कहना है कि लंबे समय से वेतन विसंगति और पदोन्नति जैसी समस्याएं लंबित हैं। वहीं, ऑनलाइन कार्यप्रणाली और पीवी ऐप को लेकर भी पटवारियों में असंतोष है। संघ इन समस्याओं के निराकरण के लिए शासन से लगातार मांग कर रहा है, लेकिन समाधान नहीं होने के कारण अब अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया गया है।

आम जनता की बढ़ सकती हैं परेशानियां

पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल का असर राजस्व संबंधी कार्यों पर पड़ने की आशंका है। भूमि अभिलेख, सीमांकन, नामांतरण, फसल गिरदावरी और अन्य राजस्व कार्यों के लिए ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आम जनता को राहत देने के लिए शासन और जिला प्रशासन की ओर से क्या वैकल्पिक व्यवस्था की गई है? अब देखना होगा कि शासन पटवारी संघ की चार सूत्रीय मांगों पर कब तक निर्णय लेत?

वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ शुभारंभ

शिक्षा की नई उड़ान, उत्कृष्ट परिणाम का संकल्प! डी.ए.वी. जांता में जुटे शिक्षा जगत के विशेषज्ञ

शिक्षा के दिग्गजों के मार्गदर्शन में गढ़ी गई सफलता की नई रणनीति; शत-प्रतिशत बोर्ड परिणाम के संकल्प के साथ संपन्न हुआ दो दिवसीय पी ई पी प्रशिक्षण।

मूक पत्रिका



बेमेतरा। डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता, बेमेतरा में कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में शत-प्रतिशत परिणाम प्राप्त करने के उद्देश्य से 31 अक्टूबर एवं 1 नवंबर 2026 को दो दिवसीय परफॉर्मेंस एन्हांसमेंट प्रोग्राम (पी ई पी) का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों की विषयगत दक्षता को बढ़ाने, शिक्षण पद्धतियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा विद्यार्थियों के परीक्षा परिणामों में उत्कृष्टता लाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण पहल रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ हुआ। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ डी.ए.वी. संस्थान के प्रमुख व क्षेत्रीय अधिकारी व प्रशिक्षण समन्वयक प्रशांत कुमार जी तथा सहायक क्षेत्रीय अधिकारी, सीजी ज़ोन-डी बी. पी. साहू की के कुशल मार्गदर्शन में दो दिवसीय कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ। दोनो अधिकारीयो के कुशल मार्गदर्शन में मास्टर ट्रैंनरो द्वारा प्रशिक्षण में शामिल शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर परीक्षा परिणामों के लिए प्रेरित किया। इस दो दिवसीय प्रशिक्षण में छह डी.ए.वी. विद्यालयों–डी.ए.वी. मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, जांता (बेमेतरा), धरमपुरा (कवर्धा), लडुवा (कवर्धा), कोतरी (मुंगेली), जरेली तथा फुलवारी के शिक्षकों ने सहभागिता की। इन सभी पाँच विद्यालयो के प्राचार्य भी उपस्थित रहे, विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने शिक्षकों को विषयवस्तु की गहन समझ, प्रभावी शिक्षण तकनीकों, परीक्षा की तैयारी, विद्यार्थियों की कठिनाइयों के समाधान तथा बेहतर शैक्षणिक परिणाम प्राप्त करने के व्यावहारिक उपायों से अवगत कराया। सामाजिक विज्ञान में रानू खंडूजा तथा अंग्रेजी में बप्पादित्य बाग (डी.ए.वी. आई.पी.एस., नंदिनी) ने प्रशिक्षण प्रदान किया। भौतिकी में एम. आर. राव (डी.ए.वी. पी.एस., एसीसी जामुल) एवं गौरव सिंह राजपूत (डी.ए.वी. एम.एम.पी.एस., जरेली), रसायन विज्ञान में सुपर्णा बोस (डी.ए.वी. पी.एस., एसीसी जामुल) तथा जीव विज्ञान में धन्या विजयन (डी.ए.वी. आई.पी.एस., सेक्टर-2) ने अपने विषयगत अनुभव साझा किए। गणित में रविशंकर (डी.ए.वी. पी.एस., एसीसी जामुल) एवं गजाधर (डी.ए.वी. एम.एम.पी.एस., धरमपुरा) तथा वाणिज्य विषय में रतीश नायर (डी.ए.वी. आई.पी.एस., सेक्टर-2) ने वहिंदी विषय में राम गोपाल सेन (डी.ए.वी. एम.एम.पी.एस., फुलवारी) एवं पी. एल. जायसवाल (डी.ए.वी. एम.एम.पी.एस., जांता) ने शिक्षकों का मार्गदर्शन किया। प्रशिक्षण के समापन समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, बेमेतरा से मुख्यअतिथि में सहायक संचालक एस. पी. कोशले जी एवं विशिष्ट अतिथि में स्थापना प्रकोष्ठ प्रभारी संजय यादव जी , व सहायक सांख्यिकी अधिकारी राजकुमार वर्मा एवं अति विशेष अतिथि में डाइट बेमेतरा के व्याख्याता एवं एएसईआर सर्वेक्षण-2026 के जिला नोडल अधिकारी थलाज कुमार साहू जी उपस्थित रहे। अतिथियों ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शिक्षकों की निरंतर क्षमता-वृद्धि तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के महत्त्व पर प्रकाश डाला। दो दिवसीय प्रशिक्षण ने शिक्षकों को अपने अनुभव साझा करने, नवीन शिक्षण पद्धतियों को समझने और बोर्ड परीक्षाओं के लिए अधिक प्रभावी रणनीतियाँ तैयार करने का अवसर प्रदान किया।



स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।